टाइटल कोडः RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 01 अंकः 03 हिन्दी प्रातः कालीन | जयपुर, शुक्रवार, 5 अगस्त, 2022 | हिंदी दैनिक | पृष्ठ:4 | मूल्यः 2 रुपए

छोटी-बड़ी खबरे...

टायर फटने से दीवार में घुसी कार, 3 की मौत

इलाज के लिए बुआ के बेटे को हिसार ले गए थे, लौटते समय हादसा

पिलानी (झुंझुनूं)। झुंझुनूं के पिलानी-बहल सड़क मार्ग पर हरियाणा सीमा में बुधवार देर रात 10.30 बजे स्विफ्ट कार का टायर फटने से बड़ा हादसा हो गया। बेकाबू कार दीवार में जा घुसी, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। कार में झुंझुनूं व चूरू के एक ही परिवार के 5 लोग सवार थे। दो लोग घायल हुए हैं। झुंझुनूं बॉर्डर से 25 किलोमीटर दूर हरियाणा के बहल थाना इलाके के नांगल गांव में चेक पोस्ट के पास हादसा हुआ। हादसे के बाद बहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। टायर फटने से कार बेकाबू होकर सड़क किनारे एक खाली मकान की दीवार तोड़ती हुई जा घुसी। कार की छत पर मलबा आ गिरा।

3 बदमाशों ने 10 मात्र मिनट में लूटे 76 हजार

बैंक कर्मचारियों-ग्राहक को बंधक बनाया, कैशियर पर तानी पिस्टल

अलवर। 3 नकाबपोश बदमाशों ने हथियार के बल पर 10 मिनट में बैंक से साढ़े 76 हजार रुपए लूट लिए। बदमाशों ने कर्मचारियों को बंधक बना लिया। कैशियर से कैश लेने के बाद वे फरार हो गए। लूट अलवर जिले के भूगोर में गुरुवार दोपहर 2:20 बजे बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में हुई। घटना का CCTV भी सामने आया है। बैंक की सहायक मैनेजर प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि दोपहर लंच टाइम में लूट हो गई। 3 नकाबपोश बदमाश बैंक में घुसे। बदमाशों ने हेलमेट भी पहन रखा था। एक बदमाश अंदर आते समय कांच से टकराया। फिर गेट कूदकर अंदर आया। आते ही मेरी कनपटी पर पिस्टल तान दी। अलवर जिले में अपराधी बेखौफ हैं। ठीक 1 महीने पहले 4 जुलाई को नकाबपोश बदमाशों ने भिवाड़ी के एक्सिस बैंक में सवा करोड़ की लूट को अंजाम दिया था। 4 अगस्त को अलवर शहर के भूगोर में बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक में दिनदहाड़े 3 हथियारबंद नकाबपोशों ने धावा बोल दिया।

5 जी शुरूः नोकिया-सैमसंग से मिलाया हाथ

एयरटेल इस महीने से शुरू करेगी 5जी, जियो 15 अगस्त को सर्विस लॉन्च कर सकती है

नई दिल्ली। देश में इस महीने 5जी सर्विस शुरू हो जाएगी। इसकी शुरुआत दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी एयरटेल करने जा रही है। इसके लिए कंपनी ने एरिक्सन, नोकिया और सैमसंग के साथ एग्रीमेंट साइन किया है। उधर, जियो ने भी 15 अगस्त को पूरे देश में 5जी नेटवर्क सर्विस लॉन्च करने के संकेत दिए हैं। 5जी लॉन्च होने के बाद इंटरनेट की स्पीड बढ़ जाएगी। एयरटेल के MD और CEO गोपाल विट्ठल ने बताया कि कंपनी पूरी दुनिया के बेस्ट टेक्नोलॉजी पार्टनर के साथ काम करके देश के कस्टमर्स को 5जी कनेक्टिविटी का फुल बेनिफिट देगी।

4जी से करीब 10-15प्रतिशत महंगी होगी 5जी सर्विस

टेलीकॉम मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने कुछ दिन पहले कहा था कि 5जी सर्विसेज का टैरिफ इंडस्ट्री तय करेगी। इसलिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। वहीं इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि 5जी सर्विसेज के टैरिफ को 4जी के बराबर लाने से पहले शुरुआत में इसे 10-15 प्रतिशत के प्रीमियम पर पेश किया जाएगा। 5 जी इंटरनेट सेवा के शुरू होने से भारत में काफी कुछ बदलने वाला है। इससे न सिर्फ लोगों का काम आसान होगा, बल्कि एंटरटेनमेंट और कम्युनिकेशन सेक्टर में भी काफी कुछ बदल जाएगा। 5जी के लिए काम कर रही कंपनी एरिक्सन का मानना है कि 5 साल में भारत में 50 करोड़ से ज्यादा 5जी इंटरनेट यूजर की संख्या होने वाली है। दुनिया में 5जी की औसत डाउनलोड स्पीड अभी दक्षिण कोरिया में सर्वाधिक है। यहां 432.7 MBPS की औसत डाउनलोड स्पीड है, यानी 2 GB की एक मूवी महज 5 सेकेंड में डाउनलोड हो सकती है। इस पैरामीटर पर टॉप-15 देशों में सबसे निचले पायदान पर फिनलैंड है। यहां भी औसत डाउनलोड स्पीड 237.1 MBPS है।

वीडियो बिना बफरिंग या बिना रुके स्ट्रीम कर सकेंगे।

5जी शुरू होने से क्या फायदे होंगे?

- » पहला फायदा तो ये होगा कि यूजर तेज स्पीड इंटरनेट इस्तेमाल कर सकेंगे।
- » वीडियो गेमिंग के क्षेत्र में 5जी के आने से बड़ा बदलाव होगा।
- » वीडियो बिना बफरिंग या बिना रुके स्ट्रीम कर सकेंगे।
- » इंटरनेट कॉल में आवाज बिना रुके और साफ-साफ आएगी।
- » 2 GB की मूवी 10 से 20 सेकेंड में डाउनलोड हो जाएगी।
- » कृषि क्षेत्र में खेतों की देखरेख में ड्रोन यूज संभव होगा।
- » मेट्रो और बिना ड्राइवर चलने वाली गाड़ियों को ऑपरेट करना आसान होगा।
- » वर्चुअल रियलिटी और फैक्ट्री में रोबोट यूज करना ज्यादा आसान होगा।
- » 432 MBPS है दक्षिण कोरिया में 5जी की औसत डाउनलोड स्पीड।

5जी हाई स्पीड सर्विस के लिए 5जी स्मार्टफोन की जरूरत पड़ेगी। कई कंपनियों ने अपने 5जी स्मार्टफोन लॉन्च कर दिए हैं। मोटो का जी51-5जी मोबाइल आप 12,249 रुपए में खरीद सकते हैं।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी को मिला हवाला लिंक

हवाला ट्रांजैक्शन के सबूत मिले, सोनिया-राहुल के बयानों की दोबारा जांच होगी

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नेशनल हेराल्ड केस में हवाला लिंक मिला है। ईडी अब सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बयानों की दोबारा जांच करेगी। रिपोर्ट्स में ईडी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि नेशनल हेराल्ड, उससे जुड़ी कंपनियों और थर्ड पार्टी के बीच हवाला ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं। ईडी को हवाला लिंक कैसे मिला? दिल्ली की हेराल्ड बिल्डिंग में यंग इंडिया के दफ्तर की छानबीन के दौरान ईडी को कुछ दस्तावेज मिले हैं। दस्तावेजों में मुंबई और कोलकाता के हवाला ऑपरेटर्स के ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं।

अब ईडी क्या कदम उठाएगी?

सूत्रों के मुताबिक, यंग इंडिया के दफ्तर की जांच पूरी होने के बाद जांच एजेंसी बड़ा एक्शन लेगी। यह एक्शन क्या होगा, ये अभी सूत्रों ने साफ-साफ नहीं बताया है।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी से 3 दिन में 12 घंटे सवाल हुए थे। 21 जुलाई को 3 घंटे, 26 जुलाई को 6 घंटे और 27 अगस्त को 3 घंटे ईडी ने पूछताछ की थी। इस दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए गए। ईडी ने राहुल गांधी से भी जून में पांच दिनों में 50 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

राहुल-सोनिया के बयानों की दोबारा जांच क्यों?

पूछताछ के दौरान सोनिया और राहुल गांधी ने कहा था कि उन्होंने यंग इंडिया से कैश से जुड़ा कोई फायदा नहीं उठाया है। यंग इंडिया से मिले दस्तावेजों के बाद ईडी दोनों के जवाबों से संतुष्ट नजर नहीं आ रही है इसलिए इन बयानों की दोबारा जांच की जाएगी।

मंगलवार को 16 ठिकानों पर हुई छापेमारी, बुधवार को दफ्तर सील

ईडी की टीम ने मंगलवार को सुबह से देर शाम तक नेशनल हेराल्ड के दिल्ली, मुंबई और कोलकाता समेत 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई सोनिया और राहुल से पूछताछ के बाद की गई थी। बुधवार को श्वष्ठ ने दिल्ली की हेराल्ड बिल्डिंग में स्थित यंग इंडिया कंपनी का ऑफिस सील कर दिया। इसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना कर्नाटक दौरा छोड़कर दिल्ली लौट आए।

जांच समिति के गठन के आदेश, मंत्री भूपेंद्र बोले-प्रॉपर्टी का कमर्शियल यूज होने पर सील करेंगे

भोपाल। भोपाल में मौजूद 'नेशनल हेराल्ड' की प्रॉपर्टी की जांच होगी। सरकार ने इसके लिए जांच समिति के गठन के आदेश दे दिए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा- निश्चित रूप से जांच कराएंगे। जांच कराकर रिपोर्ट आने के बाद अगर इसका कमर्शियल उपयोग हो रहा है, तो इसको भी सील करने की कार्रवाई होगी। जो लोग भी कमर्शियल उपयोग कर रहे हैं या जिन्होंने किया है, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर जगह ली, वो संपत्ति कांग्रेस के लोगों ने अपने नाम पर करवा ली।

आईटी रेड में 40 करोड़ के लेनदेन का खुलासा

10 लॉकर की चाबियां मिलीं, बेटी की सबसे महंगी शादी कर रडार पर आया बिजनेसमैन

जयपुर। रियल एस्टेट और ज्वेलरी कारोबारी आलोक कोटावाला के 37 ठिकानों पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रेड के बाद कई सबूत हाथ लगे हैं। करीब 40 करोड़ के लेनदेन के कागजात और 10 लॉकर की चाबियां मिली हैं। कोटावाला का होटल, हॉर्टिकल्चर और कंस्ट्रक्शन का काम है। 2016 में अपनी बेटी की शादी पर बेहिसाब पैसा खर्च करने वाला यह बिजनेस मैन डिपार्टमेंट के रडार पर था। शादी में उसने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह सहित कई सेलिब्रिटी को बुलाया था।

200 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी जुटे जांच में

सूत्रों के मुताबिक, यह रेड आलोक कोटावाला, प्रमोद कोटावाला, आशीष अग्रवाल, कमलेश जैन, भीमाराम पन्नालाल और इनके करीबियों के ठिकानों पर बुधवार को की गई थी। जांच गुरुवार को भी चल रही है। जयपुर में 33 और कोटा में 4 ठिकानों पर छापेमारी में इनके पास बेहिसाब प्रॉपर्टी और ऑनलाइन ट्रांसजेक्शन के भी सबूत हाथ लगे हैं। कंप्यूटर सिस्टम पर लेजर बुक्स से भी स्पेशल टीम इन्वेस्टिगेशन कर रही है। 200 से ज्यादा इमकम टैक्स और पुलिस कर्मचारी-अधिकारी रेड में शामिल हैं। बड़े पैमाने पर काली कमाई के खुलासे की बात कही जा रही है। सूत्र बताते हैं कि आलोक कोटावाला उदयपुर के उदयविलास होटल में दिसंबर 2016 में अपनी बेटी की रॉयल ग्रैंड वेडिंग के बाद से विभाग के रडार पर थे।

महाराष्ट्र के पालघर से 1400 करोड़ की ड्रग्स बरामद

केमेस्ट्री पोस्ट ग्रेजुएट सोशल मीडिया के जरिए बेचता था ड्रग्स, रैकेट के 5 लोग अरेस्ट

मुंबई। महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वर्ली यूनिट ने पालघर जिले के नालासोपारा में दवा बनाने वाली कंपनी पर छापेमारी की है। इस दौरान 1400 करोड़ रुपए कीमत की 700 किलो से ज्यादा मेफेड्रोन (ड्रग्स) जब्त किया गया। मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 आरोपी मुंबई से जबकि एक व्यक्ति को नालासोपारा में पकड़ा गया।

सोशल मीडिया के जरिए बेचा जाता था ड्रग्स

सीसीपी दत्ता नालवाड़े ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 52 साल के मुख्य आरोपी के पास ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में पोस्ट-ग्रेजुएट की डिग्री है। उसने ड्रग्स बनाने के फॉर्मूले का इजाद कर लिया था और खुद ही ड्रग्स बनाता था। ये ड्रग्स हाई क्वालिटी का होता था। आरोपी 25 किलो से कम नशीली दवा नहीं बेचता था। ड्रग्स की सप्लाई के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते थे।

पिछले कुछ महीने की सबसे बड़ी खेप बरामद- एक अफसर ने बताया कि हमे यूनिट में प्रतिबंधित दवा की सूचना मिली थी, जिसके बाद छापेमारी की गई। उस दौरान वहां प्रतिबंधित दवा मेफेड्रोन बनाए जाने की बात सामने आई। अफसर के मुताबिक, यह हाल के दिनों में मादक पदार्थों की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी भी कहा जाता है।

संजय राउत सोमवार तक ईडी की कस्टडी में रहेंगे

राउत की पत्नी को भी ईडी का नोटिस, दोनों को आमने-सामने बैठाकर हो सकती है पूछताछ

मुंबई। मुंबई के पात्रा चॉल घोटाले में रविवार को गिरफ्तार किए गए शिवसेना सांसद संजय राउत की कस्टडी सोमवार तक बढ़ा दी गई है। संजय रविवार से ईडी की गिरफ्त में हैं। अब उनकी पत्नी वर्षा राउत को भी नोटिस भेजा गया है। सूत्रों की मानें तो ईडी दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ कर सकती है। इससे पहले, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज ने संजय राउत से पूछा- आपको कोई दिक्कत है क्या? राउत ने कहा- जहां कस्टडी में रखा वहां वेंटिलेशन नहीं है। उन्होंने पंखे की मांग की। ईडी ने कोर्ट में कहा कि हमने उनको एसी में रखा है, संजय राउत झूठ बोल रहे हैं। ईडी ने वेंटिलेशन वाला रूम उपलब्ध कराने की बात कही और कहा कि इनके और परिवार के अकाउंट में 1 करोड़ 6 लाख कैसे आए और विदेश दौरे पर कितना खर्च किया, उसकी जांच कर रहे हैं। हमको रेड में कुछ कागजात मिले हैं, जिससे पता चलता है कि राउत को हर महीने प्रवीण द्वारा एक निश्चित रकम दी जाती थी। राउत के वकील ने कहा- वर्षा राउत के अलीबाग प्लॉट को लेकर सभी कागज पत्र ईडी को पहले ही दिए जा चुके हैं। स्वप्ना पाटकर के वकील ने कहा कि संजय द्वारा स्वप्ना पाटकर को धमकाया जा रहा है। जज ने कहा जब संजय राउत गिरफ्तार हैं, तो धमका कौन रहा है।

चीन की ताइवान के खिलाफ मिलिट्री ड्रिल

ताइवान के समुद्री तट के पास 11 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं; 5 जापान के इलाके में गिरीं

बीजिंग/ ताइपे। चीन और ताइवान के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी के ताइवान से लौटते ही चीन और एग्रेसिव हो गया है। गुरुवार से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने ताइवान के ईदगिर्द 6 इलाकों में सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इस बीच, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि PLA ने ताइवान के उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिमी तट के पास 11 डोंगफेंग बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ताइवान ने कहा है कि हम जंग नहीं चाहते लेकिन इसके लिए तैयार रहेंगे। ताइवान आने-जाने वाली करीब 50 इंटरनेशनल फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया गया है। इधर, चीन की ओर से दागी गई 5 बैलिस्टिक मिसाइलें जापान के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में गिरी हैं।

जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने डिप्लोमैटिक चैनल के जरिए इस घटना का विरोध दर्ज कराया है।

7 अगस्त तक चलेगी मिलिट्री एक्सरसाइज

चीन ने इस मिलिट्री एक्सरसाइज को %लाइव फायरिंग% नाम दिया है। चीन के सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह मिलिट्री ड्रिल ताइवानी तट से सिर्फ 16 किमी दूर की जा रही है। इसमें असली हथियारों और गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जा रहा है।

यह एक्सरसाइज 7 अगस्त तक चलेगी। चीन पहले यह ड्रिल ताइवान से करीब 100 किमी दूर करता था। लेकिन नैंसी के दौरे के बाद अब बेहद नजदीक पहुंच गया है। PLA ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने कहा- लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों की टेस्टिंग की जाएगी। मिसाइल का भी टेस्ट होगा।

आभार...

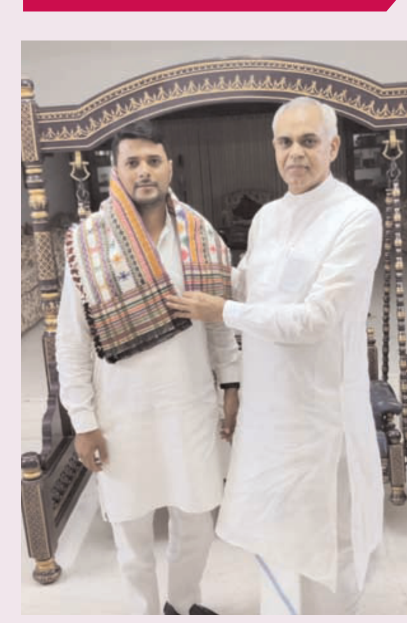

गुजरात प्रवास के दौरान राजभवन गांधीनगर में आत्मीय स्नेह और मान सम्मान के लिए गुजरात के माननीय राज्यपाल 'आचार्य देवव्रत जी' का आभार। आचार्य जी, आपका प्यार, आत्मीय स्नेह और मार्गदर्शन ऐसे ही मिलता रहें।

#PsKalwaniya #RamavatarPalsaniya #AacharyaDevvrat #InternationalJatParliament

अब तक 5 हजार से ज्यादा गायों की मौतें

जयपुर की हिंगोनिया गौशाला में 164 गौवंश संक्रमित, 20 जिलों में फैली बीमारी

जयपुर। राजस्थान के 17 जिलों में अब लंपी वायरस गाय-भैंसों में फैल गया है। 5 हजार से ज्यादा गौवंश की मौत हो चुकी हैं। पश्चिमी राजस्थान के 10 जिलों से बढ़कर 7 और जिलों में यह वायरस अब फैल गया है। इनमें राजधानी जयपुर जिले के साथ ही अजमेर, उदयपुर, कुचामन सिटी (पशुपालन जिला), सीकर, झुंझुनूं, चूरू शामिल हैं। पशुपालन मंत्री लालचन्द कटारिया ने पशुओं के ट्रांसपोर्टेशन पर अगले 1 महीने के लिए रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रभावित जिलों में पशु मेलों पर रोक लगाने पर विचार करते हुए सभी जिला कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी गई है। माना जा रहा है जल्द ही आदेश जारी हो सकते हैं। इधर, यह संक्रमित बीमारी जयपुर की हिंगोनिया गौशाला तक फैल चुकी हैं। जयपुर की हिंगोनिया गौशाला में 164 गायें लंपी वायरस डिजीज से संक्रमित हैं। जबकि सरकारी रिकॉर्ड में जयपुर जिले में कुल 282 गाय और गौवंश इंफेक्टेड बताए गए हैं। इनमें से 9 की मौत हो गई है। 236 का इलाज किया जा रहा है, इनमें 108 गौवंश रिकवर हो गए हैं।

राजस्थान के गौवंश में लंपी डिजीज से मौतों का आंकड़ा बढ़कर 5807 हो गया है। सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक 1 लाख 20 हज़ार 782 पशु इससे अभी प्रभावित हैं। 94 हज़ार 222 का इलाज चल रहा है और 42 हज़ार 232 पशु रिकवर हो चुके हैं।

गंगानगर में 22393 पशु संक्रमित, 840 की मौत

राजस्थान में सरकारी सर्वे रिकॉर्ड के मुताबिक अब तक लंपी स्किन डिजीज से प्रभावित 94 हजार 358 पशु (गाय-भैंस) ट्रेस हुए हैं। इनमें कैटल में 90 प्रतिशत गौवंश हैं। 74 हजार 118 पशुओं का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। अब तक 36 हजार 553 गौवंश रिकवर हो चुके हैं। गंगानगर जिला लंपी डिजीज से सबसे ज्यादा प्रभावित है। जहां 22 हजार 393 पशु संक्रमित पाए गए हैं। 840 की मौत हो गई है। बाड़मेर में 11 हजार 785 पशु संक्रमित मिले हैं और 830 की मौत हो गई है। जोधपुर में 10 हजार 212 संक्रमित पशु मिले हैं,जबकि 730 की मौत रिकॉर्ड की गई है। जालोर में भी 10 हजार 663 पशु संक्रमित मिले हैं। इनमें से 580 ने दम तोड़ दिया है। बीकानेर में 10 हजार 12 इंफेक्टेड गौवंश में से 727 की मौत हुई है।

खुद बीमार पडा कामां विधानसभा क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल

मरुधर हिंद/आमिर खान कामां

कामां- कामां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों सरकार व चिकित्सा विभाग की लापरवाही का शिकार हो रहा है7 कामां विधानसभा क्षेत्र का यह सबसे बड़ा अस्पताल है 100बैड का यह अस्पताल वर्तमान मे मात्र 3 चिकित्सकों के भरोसे पर चल रहा है7 अस्पताल के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो कामां अस्पताल में 20 चिकित्सको/ विशेषज्ञ चिकित्सकों के अलावा दो दंत चिकित्सकों की पोस्ट है7 क्षेत्रीय विधायक व राज्यमंत्री जाहिदा खान की सक्रियता के चलते लगभग 18 चिकित्सकों के पदों पर चिकित्सकों की नियुक्ति भी हो चुकी थी कुछ महीनों कामां अस्पताल में मरीजों को अच्छी सेवाएं मिली थी लेकिन ना जाने क्यों अब यह अस्पताल सरकारी उपेक्षा का शिकार होने लगा है 20 में से 7 चिकित्सक तनख्वाह तो कामां अस्पताल से उठा रहे हैं लेकिन जयपुर सहित अन्य अस्पतालों में ड्यूटी देकर एसआर शिप (उच्च चिकित्सा शिक्षा)कर रहे हैं अर्थात ड्यूटी कहीं और कर रहे हैं तनख्वाह कामां अस्पताल से उठाई जा रही है7 इन 7 चिकित्सकों के अलावा अधिकतर चिकित्सक कामां अस्पताल में नौकरी करने के इच्छुक नहीं थे और वह तबादले करा कर कामा से अन्यत्र चले गए अब मात्र 3 चिकित्सक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा बीएस सोनी ,विशेषज्ञ चिकित्सक एमडी मेडिसिन डॉ राजपाल यादव व चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रमोद बंसल व एक दंत चिकित्सक एसके सिंह ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं दंत चिकित्सक का एक दूसरा पद रिक्त पड़ा हुआ है7 गत महीने डा राजपाल यादव के अलावा एक अन्य एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ चिकित्सक डा नसीब खान की सेवाएं कुछ दिन के लिए मिली थी लेकिन वह भी पिछले हफ्ते कामा से ट्रांसफर करा कर सीकरी चले गए7 डॉ बीएस सोनी सहित कामां अस्पताल को पिछले महीनों तीन बाल रोग चिकित्सक मिले थे डॉ बीएस सोनी को छोड़कर दो अन्य बाल रोग विशेषज्ञ भी कामां से ट्रांसफर करा कर चले गए कामा अस्पताल में शल्य चिकित्सक सर्जन व स्त्री रोग विशेषज्ञ की सेवाओं के लिए क्षेत्र तरस रहा है पिछले कई सालों से ना तो किसी स्त्री रोग विशेषज्ञ की सेवा मिली है ना ही शल्य चिकित्सक की नियुक्ति हुई है हालांकि कागजों में कई स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों की नियुक्ति हुई लेकिन वह भी यहां ड्यूटी ज्वाइन कर अधर ही अधर तबादला करा कर चली गई7 राज्य मंत्री जाहिदा खान की अनुशंसा पर कामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोनोग्राफी की मशीन आ चुकी है चेंबर भी तैयार हो चुका है लेकिन सोनोलॉजिस्ट चिकित्सक की नियुक्ति के अभाव मे अल्ट्रासाउंड की मशीन कमरे में बंद होकर धूल ही चाट रही है7वहीं दूसरी ओर कामां विधानसभा क्षेत्र के सबसे बड़े अस्पताल में नर्सिंग कर्मियों की पोस्टिंग पर गौर किया जाए तो जानकारी के अनुसार कामां अस्पताल में 46 नर्सिंग कर्मचारियों के पद स्वीकृत हैं लेकिन वर्तमान में लगभग एक दर्जन नर्सिंग कर्मचारी व चार यूटीवी ही तैनात हैं शेष पद भी खाली चल रहे हैं7 चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मचारियों के रिक्त पदों की संख्या देखते हुए आप अंदाजा लगा सकते हैं कि क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था का क्या हाल है मरीजों को किस तरह की चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं7

कितना है वर्क लोड -कामां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विधानसभा क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है कहने को तो यह 100 बेड का अस्पताल है लेकिन स्वीकृत बेड की तुलना में मात्र तीन चिकित्सकों की सेवाएं ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हो रही है मिली जानकारी के अनुसार कामा अस्पताल में रोजाना 600 मरीजों की ओपीडी दर्ज की जा रही है इसके अलावा इंडोर मरीज अर्थात भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या रोजाना 70 के आस पास रहती है हर महीने अस्पताल में लगभग 225 प्रसव कराए जाते हैं सवाल यह है कि अस्पताल में रोजाना आने वाले 600 मरीजों को तीन चिकित्सक कैसे देख पाएंगे 600 में एक चिकित्सक यदि 200 मरीजो भी अपना परामर्श दे तो वह भी इन मरीजों को पर्याप्त समय नहीं दे पाता ऐसे में मरीज असंतुष्ट होकर ही अस्पताल से लौटता है अस्पताल में भर्ती होने वाले 70 मरीजों की देखरेख के लिए भी कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं है अस्पताल में कार्यरत मात्र 3 चिकित्सक सुबह ओपीडी में ड्यूटी देते हैं उसके बाद एक चिकित्सक को इमरजेंसी की ड्यूटी भी देनी पड़ती है अधिक वर्क लोड होने के कारण कामां अस्पताल में तैनात तीन चिकित्सक भी मानसिक अशांति का शिकार हो रहे हैं लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सरकार ने मरीजों की संख्या को देखते हुए चिकित्सकों की सेवाएं शुरू नहीं शुरू नहीं की तो अस्पताल में कार्यरत मात्र 3 चिकित्सक भी वर्क लोड के कारण मानसिक अवसाद का शिकार हो जाएंगे7वहीं दूसरी ओर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ केडी शर्मा का कहना है कि कामां अस्पताल के अलावा जुरहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी छह में से तीन चिकित्सको के पद खाली पड़े हुए हैं जुरहरा व कामां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रिक्त पड़े पदों को लेकर सरकार को पत्र लिखा गया है इसके अलावा कामा में सोनोग्राफी मशीन संचालन के लिए सोनोलॉजिस्ट की नियुक्ति के लिए भी राज्य सरकार व क्षेत्रीय विधायक राज्य मंत्री जाहिदा खान को अवगत कराया गया है जल्द ही रिक्त पड़े पदों पर चिकित्सको सहित सोनोलॉजिस्ट की सेवाएं शुरू होने की संभावना है7

मालाखेड़ा कस्बे से खाटू श्याम जी के लिए रवाना हुई पदयात्रा

मालाखेड़ा (सतीश कुमार चौधरी)

मालाखेड़ा कस्बे के हनुमान मंदिर से खाटू श्याम जी के लिए पदयात्रा रवाना हुई पदयात्रा को मालाखेड़ा सरपंच हिम्मत सिंह चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया श्रद्धालु राजाराम चौधरी ने बताया कि मालाखेड़ा कस्बे के हनुमान मंदिर से निशान लेकर सप्तमी को पदयात्रा रवाना हुई यह एकादशी के दिन खाटूश्यामजी पहुंच कर अपना निशान चढ़ाएगी पदयात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया सभी श्रद्धालुओं के द्वारा बाबा के भजनों पर नाच कर अपनी हाजिरी लगाई इस मौके पर समाजसेवी नरेंद्र मीणा, राम सिंह राठौड़, राजेश चौधरी, करण, पूर्ण चौधरी, कम्मी राम चौधरी, मनीराम चौधरी, सतीश गुप्ता, श्याम मिश्रा सहित सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

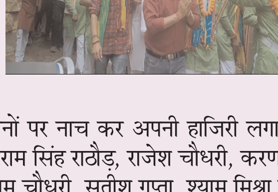

झझारपुर गांव के आनंद बाग में नेत्र चिकित्सा शिविर 7 अगस्त को

मरुधर विशेष/हवासिँह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र में झझारपुर गांव के आनन्द बाग परिसर में 7 अगस्त रविवार को एच, पी , नंदा की स्मृति में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा । शिविर प्रातः 9~30 बजे से 2 बजे तक रहेगा । सामाजिक कार्यकर्ता पंडित गोपीचंद शर्मा व चंदन ने बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शीतल दास महाराज बेनामी पीठ रेणागिरी के जगतगुरु बालका देवाचार्य महाराज बालकदास होंगे । नेत्र शिविर में आंखों के रोगों की जांच होगी । शिविर में आंखों की जांच में ऑपरेशन, दवाइयां ,चश्मा निःशुल्क रहेंगे । ऑपरेशन सपना एनजीओ के महात्मा गांधी नेत्रालय विजय मंदिर पर होंगे ।

विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ अलवर की जिला कार्यकारिणी हुई घोषित

मरूधर विशेष

कठूमर । दिनेश लेखी। विप्र फाउंडेशन जोन फर्स्ट के प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल एडवोकेट एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष पवन शर्मा की अनुशंसा और युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पीयूष पंडित झाड़ला के अनुमोदन पर वित्तीय वर्ष 2022-24 के लिए विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अलवर की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ जोन फर्स्ट अलवर के संगठन महामंत्री रमाकांत शर्मा ने बताया है कि कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष नीलेश तिवारी लिली, जिला सचिव पद पर शशीकांत दीक्षित,आनंद इंदौरिया कनिष्ठ सहायक अलवर, सतीश शर्मा गांव बमनपुरा, नरेंद्र शर्मा अध्यापक, अमित भारद्वाज रामगढ़, योगेश कुमार शर्मा टिटपुरी,आलोक कटारा खेड़ली, मोहन शर्मा कनिष्ठ सहायक करनिकोट मुंडावर को मनोनीत किया गया है।

खेरली कस्बे के अग्रसेन महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ समापन।

मरूधर विशेष

खेरली । दिनेश लेखी। कस्बे के अग्रसेन महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का समापन 04 अगस्त गुरूवार को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. हेमा देवरानी की अध्यक्षता, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. नेहा गोयल के निर्देशन में किया गया। वृक्षारोपण के दौरान लगभग 60 पौधे लगाए गए कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मित्तल संस्थान के मंत्री गोपेश गोयल, बी.एड. कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनुराधा के द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान मंगलसिंह सैनी, भूपचन्द्र शर्मा, जगमोहन अग्रवाल, सुरेशचन्द शर्मा, भूरा राम, राजेश शर्मा, जगदीश प्रसाद, राधेश्याम, सतीश कुमार योगी, सोनम मित्तल, लक्ष्मण प्रजापत सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

धार्मिक समारोह,सावन मास की शुक्ल पक्ष सप्तमी

मरुधर विशेष/हवासिँह चौधरी

मुंडावर। नालपुर शिव मंदिर पहाड़ी पर एक दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के तहत गुरुवार को बाबा भोले के भजन महिलाओं ने गीत गाकर खुशी मनाई । मंदिर परिसर बाबा भोले के जयकारों से गूंजयमान रहा । बाबा भोले की झांकी सजाई गई । दोपहर 12 बजे भक्तों ने पूजा-अर्चना के साथ भोग लगा कर प्रसादी वितरण की । गांव व ढाणियों की महिलाएं समूह में गीत गाती मंदिर परिसर में बाबा के दर पर घोक लगाकर कष्टों के निवारण और परिवार में खुशहाली की कामना की । इस बीच मंदिर के महंत रामगिरी महाराज ने बाबा भोले की आरती की । इस मौके पर आसपास के काफी श्रद्धालुओ ने हिस्सा लिया ।

ग्राम विकास अधिकारियों का कलम बंद आन्दोलन शुरू

मरूधर विशेष/अराई/प्रकाश भागनानी

अराई ग्राम विकास अधिकारी संघ ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए आज से कलम बंद आन्दोलन शुरू किया। आज ग्राम विकास अधिकारी संघ ब्लॉक अराई द्वारा आज 4 अगस्त से कलम बंद असहयोग आंदोलन ब्लॉक अध्यक्ष हरिसिंह शेखावत के नेतृत्व में शुरू किया गया। जिसमें सभी ग्राम विकास अधिकारी द्वारा अपनी कलम को मोली बांधकर कलश में लाल कपड़ा लगाकर बंद कर दिया गया शेखावत ने बताया कि आज से ही ग्राम पंचायत का किसी भी प्रकार का ऑनलाइन ऑफलाइन कार्य आगामी आदेशों तक नहीं किया जाएगा । इस दौरान ब्लॉक मंत्री दिनेश गिरी गोस्वामी, प्रहलाद गुर्जर जिला प्रतिनिधि, जितेन्द्र सैनी, मुकेश भांभी, हरिकेश यादव, जितेन्द्र सिंह, कमलेश कुमार मीणा, सुरेश चौधरी, मनोज कुमावत, लक्ष्मण बैरवा आदि मौजूद थे

विधायक सुरेश टांक ने सुनी जनसमस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

मरूधर विशेष/अराई/प्रकाश भागनानी

बोराडा/अराई। विधायक सुरेश टांक आज अराँई व बोराडा क्षेत्र के दौरे पर रहे और विधायक ने क्षेत्र के गांवों में समस्याएं सुनीं तथा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। विधायक सुरेश टांक आज अराई क्षेत्र के चौसला गाँव पहुंचे जहां बाबा रामदेव के भण्डारे का शुभारंभ किया तथा उसके बाद कटसूरा ग्राम पंचायत में आयोजित उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौजूद अधिकारियों को शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। इसके बाद विधायक सुरेश टांक ने आकोडिया, छोटा लाम्बा, झिरोता, सरवर, मनोहरपुरा, बोराडा, डबरेला, ढिगारिया, गोठियाना अराई आदि गांवों में दौरा किया और ग्रामीणों की समस्याएं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक सुरेश टांक ने कहा कि मैं विकास में विश्वास करता हूँ और राज्य सरकार ने हमें वह सब कुछ दिया है जो हम मांग रहे हैं और सरकार हमेशा गाँव और गरीब के विकास के लिए तत्पर है। इसलिए आप मुझे समस्याएं बताओ और काम बताओ मैं सदैव उनके समाधान का प्रयास करूँगा। विधायक के गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक टांक का माला व साफा पहना कर स्वागत किया। वही विधायक ने गांवों में पौधारोपण भी किया और कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगा कर पर्यावरण को संरक्षित करना है। इस दौरान उपप्रधान विष्णु शर्मा, राजेन्द्र पोरवाल कटसूरा, मनोहरपुरा सरपंच प्रतिनिधि सत्यनारायण जाट, कैलाश चन्द शर्मा, पूर्व सरपंच महेंद्र सिंह ढोस, झिरोता सरपंच प्रतिनिधि प्रभूलाल चौधरी, सीआर सुरमा देवी शैतान गुर्जर, डबरेला सरपंच रामरतन चौधरी, बिज्जू न्याती, पूर्व सरपंच ऋषि राज वैष्णव, ढिगारिया से मुकेश वैष्णव, गोविन्द सिंह राठौड़, चौसला के सुरेन्द्र शर्मा, शैतान रेबारी आदि मौजूद थे।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया पौधारोपण

मरूधर विशेष/अराई/प्रकाश भागनानी

अजमेर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिता मान व विकास अधिकारी पुरूषोत्तम पारीक ने कालानाडा ग्राम पंचायत के धोलपुरिया गाँव में पौधारोपण किया । एसीईओ अमिता मान ने धोलपुरिया गाँव में अमृत सरोवर की पाल पर पौधारोपण करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत व ग्रामीणों ने सरोवर के विकास व सौन्दर्य के लिए बहुत ही अच्छा कार्य किया है और इसके विकास के लिए और प्रयास करना चाहिए। इस दौरान उपसरपंच रणजीत सिंह, कनिष्ठ तकनीकी सहायक नन्दकिशोर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कटसूरा ग्राम पंचायत में अधिकारियों ने की जनसुनवाई

मरूधर विशेष/अराई/प्रकाश भागनानी

ग्राम पंचायत कटसूरा में जिला प्रशासन के निर्देश पर जनसुनवाई का आयोजन जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिता मान व तहसीलदार हनुमान प्रसाद की मौजूदगी में किया गया। जनसुनवाई के दौरान विधायक सुरेश टांक भी जनसुनवाई में पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं । वही पंचायत समिति के विकास अधिकारी पुरूषोत्तम पारीक सहित ब्लॉक स्तरीय सभी विभागों के अधिकारियों ने सम्बंधित विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर जनसुनवाई की तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। जनसुनवाई के दौरान बिजली, सडक , पानी तथा राजस्व विभाग में लम्बित नामांतरण की समस्याएं सामने आई वही कुछ समस्याएं मनरेगा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के बकाया भुगतान से जुड़ी हुई प्राप्त हुई जिस पर अधिकारियों ने शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान जलदाय विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, चिकित्सा विभाग, विधुत विभाग, पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी व समाजसेवी राजेन्द्र कुमार पोरवाल मौजूद थे

पुलिस को देख कर भाग छूटे बदमाश

मरूधर विशेष/अराई/प्रकाश भागनानी

अराँई क्षेत्र के सिरोंज ग्राम के पास हथियार के चार बदमाश देखे गए। सिरोंज शराब ठेका संचालक की सूचना तुरन्त प्रभाव से अराँई पुलिस मौके पर पंहुच गयी। पुलिस को देखते हैं बदमाश नगर टोंक की तरफ भाग गए। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया परन्तु अंधेरे का फायदा उठा कर वे फरार होने में कामयाब हो गए। थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि बुधवार शाम 6 बजे सिरोंज शराब ठेका संचालक का फोन आया कि चार युवक दो मोटरसाइकिल पर संदिग्ध अवस्था मे घूम रहे है। दो मोटरसाइकिल पर पीछे की नंबर प्लेट नही है। सूचना मिलते ही पुलिस जाप्ता सिरोंज पंहुच गया पुलिस को देखते ही बदमाश नगर टोंक की तरफ भाग छुटे। पुलिस ने बदमाशो का पीछा किया तब उनके पास देसी तमंचा देखा गया। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दे कर नाका बंदी कराई। लेकिन बदमाश अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल हो गए। थाना प्रभारी ने उच्च अधिकारियो को मामले की जानकारी दी। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर सिरोंज क्षेत्र में गश्त बढा दी गयी है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अपील करी की किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में पुलिस को तुरंत प्रभाव से जानकारी देवे।

ग्राम विकास अधिकारी संघ शुरू की कलम बंद हड़ताल

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां- ग्राम विकास अधिकारी संघ राजस्थान के प्रदेशव्यापी आह्वान पर पूरे प्रदेश सहित कामां में भी ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संघ वादा खिलाफ़ी आंदोलन के अंतर्गत गुरुवार को कलम बंद हड़ताल शुरू कर दी गई। ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार ने हमारी आठ महत्वपूर्ण माँगो समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर माँगो को 45 दिवस पूरा करने की सहमति व्यक्त की थी लेकिन सरकार की वादाखिलाफी के कारण मांगे छह महीने में भी पूरी नही हुई है7जिसके चलते संघ द्वारा सरकार के खिलाफ वादाखिलाफी आंदोलन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत आज कामा पंचायत समिति के सभी ग्राम विकास अधिकारियों ने शपथ लेकर अपनी कलम कलश मे डालकर कलम बंद हड़ताल शुरू कर दी जितेंद्र सिंह ने बताया कि अनिश्चित काल कलम बंद हड़ताल के दौरान राज्य सरकार की किसी भी योजना में सहयोग नहीं किया जाएगा नहीं ग्राम पंचायत के कार्यो कभी पूरी तरह बहिष्कार किया जाएगा7 आंदोलन में रोहताश यादव,हेमंत शर्मा,रामचंद्र मीणा,लोकेश मीणा,मुंशी मीणा,ओमप्रकाश शर्मा,मनोहर यादव,राजेंद्र सिंह,रमेश सैनी, कैलाश कश्यप, देवेंद्र सहित सभी ग्राम विकास अधिकारी मौजूद थे ।

विकास कार्यों को लेकर लोगों को किया जा रहा गुमराह

मरुधर हिंद/आमिर खान कामां

कामां-भाजपा कामा शहर मंडल अध्यक्ष प्रदीप गोयल ने प्रेस वार्ता का क्षेत्रीय विधायक जाहिदा खान द्वारा पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का डामरीकरण कराने को लेकर प्रसारित की जा रही जानकारी को गलत बताते हुए खंडन किया है। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष प्रदीप गोयल जारी किए गए प्रेस नोट बताया कि सोशल मीडिया पर पंचकोसी परिक्रमा के लिए विधायक द्वारा बजट स्वीकृति के बारे में चल रहा है और आज एक समाचार पत्र में भी फोटो युक्त विज्ञापन लगाकर बजट स्वीकृति के बारे में लिखा है यह बजट स्वीकृति किसी भी विधायक कोटे से नहीं कराई गई है यह कार्य नगर पालिका द्वारा प्रस्तावित किए गए हैं मुख्यमंत्री बजट घोषणा में विभिन्न सड़कों के लिए पूरे राजस्थान में स्थानीय निकायों को बजट स्वीकृत किया गया था जिसमें कामा नगरपालिका को चार करोड़ों रुपए की राशि मिली राज सरकार ने इन कार्यों की एजेंसी पीडब्ल्यूडी को बनाया था पीडब्लूडी द्वारा 12 कार्यो की निविदा निकालकर निविदाएं आमंत्रित की थी इन 12 कार्यो की राशि तीन करोड़ 88 लाख पचास हजार ?72 है इन 12 कार्यो में पांच काम पंचकोसी परिक्रमा मार्ग में आते ही नहीं हैं जबकि सोशल मीडिया तथा समाचार पत्रो में पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के लिए 4 करोड़ 64 लाख रुपए की स्वीकृति का हवाला दिया जा रहा है और जनता को गुमराह किया जा रहा है।

एसडीएम ने जिला स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में सम्मान हेतु पवन जैन उर्फ चौधरी का नाम किया प्रस्तावित

मरूधर विशेष

कठूमर । दिनेश लेखी। उपखंड अधिकारी जिला स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में सम्मान हेतु पवन जैन उर्फ चौधरी का नाम प्रस्ताव तैयार कर भिजवाया है। एसडीएम रामकिशोर मीणा ने बताया कि जिला स्तरीय सम्मान समारोह में लोक कलाकारों, आर्टिसस, विशिष्ट व्यक्तियों,सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों, खिलाड़ियों आदि को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए जिला स्तर पर प्रस्ताव मांगे गये। जिसमें पर खेड़ली निवासी पवन जैन और चौधरी को जैन साधु संत सेवा के लिए तथा उनकी कस्बा खेड़ली में तहसील कार्यालय हेतु 1500 वर्ग मीटर एवं सीएचसी हेतु 4000 वर्ग मीटर भूमिदान करने पर जिला स्तरीय स्वाधीनता दिवस सम्मान समारोह के लिए प्रस्तावित किया गया है।

तिजारा श्री क्षेत्रपाल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना कर मनाया जन्मदिवस

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा कोरोना महामारी के मसीहा व सामाजिक कार्यों में चढ बढ़कर भाग लेने वाले भामाशाह रामवीर शाहाबादी के जन्मदिन पर तिजारा विधानसभा के लोगों ने दी खूब बधाई। रामवीर शाबादी कोरोना जैसी बीमारी में भी लोगों को मदद से पीछे नहीं हटे चाय दवाई की व्यवस्था हो या भोजन व्यवस्था हो , सब तरह की व्यवस्था में कोरोना काल महामारी में गरीबों के मसीहा रामवीर शाहाबादी के जन्मदिन पर लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया बाबा मोहन राम मंदिर भिवाड़ी पूजा अर्चना के बाद बाबा बलदेव दास मंदिर टपूकड़ा जोहड़ वाला मंदिर नौला धाम मंदिर टपूकड़ा तिजारा हनुमान बगीची मंदिर देहरा जैन मंदिर श्री क्षेत्रपाल भैरव मंदिर पूजा अर्चना की उसके बाद 1~00 बजे कमल नाथ महाराज आश्रम 1~30 बजे अपने निवास स्थान पर पहुंच कर लोगों को धन्यवाद दिया भारी तादाद में लोगों ने बधाई उनके निवास स्थान पर पहुंच कर दी मास्टर ओमप्रकाश गुप्ता महंत जस्सू महाराज डब्बू जैन घनश्याम मित्तल इंदर सिंह दहिया सुभाष अग्रवाल मातादीन जांगिड़ विनोद सैनी राकेश सैनी केशव दत्त शर्मा सोमदत्त सैनी संजय अग्रवाल सतपाल सैनी विक्रम सैनी राजेंद्र सैनी रामनिवास सरपंच सुभाष सरपंच लालाराम सैनी धन्नाराम पंच नौरंगाबाद उमराव सरपंच मीणा की मुकेश सरपंच पूर्व सरपंच दयाल लोगों ने बधाई देकर खुशी जाहिर की।

हर घर पर तिरंगा लगाकर शहीदों को करे नमन

मरूधर विशेष

कठूमर।दिनेश लेखी। विधानसभा क्षेत्र के आजादी के अमृत महोत्सव पर गुरूवार गांव अरूवा के बूथ 141 पर बैठक कर हर घर तिरंगा अभियान को पूर्णता सफल बनाने में हर कार्यकर्ता अभियान से जुड़ कर कार्यक्रम को सफल बनाये। मंडल संयोजक महेन्द्र चौधरी ने अरूवा और मसारी में बैठक कर बताया कि शहीदो व स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए नमन करे क्योकि यह आजादी ऐसे ही नही मिली बल्कि अनगनित देशभक्तों ने कष्ट झेलते हुए मातृभूमि के लिए शहीद हुए। हमारे लिये गौरव की बात है हम अमृत महोत्सव के साक्षी बन रहे है। हम गौरवशाली है। अमृत महोत्सव के अवसर पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदर्श लोकतंत्र की तरफ बढ़ रहे है । इसलिए हमे हर घर पर तिरंगा फहरे इस हेतु योजना बनानी चाहिये। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

कैसे हों आयुष्मान

यह बात परेशान करने वाली है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उपचार कराने के जरूरतमंदों के लिये पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने अपने दरवाजे बंद कर दिये हैं। वजह पंजाब सरकार द्वारा गत सात माह से इलाज के बाकी 16 करोड़ का भुगतान न करना है। निस्संदेह यह स्थिति पंजाब के सत्ताधीशों की संवेदनहीनता व कमजोर वर्ग के रोगियों के प्रति उदासीनता को ही दर्शाती है। दरअसल, पीजीआईएमईआर हर महीने पंजाब के बारह से चौदह सौ के करीब रोगियों का उपचार करता है। विडंबना यह भी कि सत्ताधीशों की उदासीनता के चलते पंजाब में कोई सरकारी अस्पताल इस योजना के तहत मरीजों का उपचार नहीं करता। पीजीआई की इस कार्रवाई के चलते कई गंभीर रोगों से जूझ रहे कमजोर वर्ग के मरीज उपचार से वंचित हो रहे हैं। पीजीआई द्वारा 21 दिसंबर, 2021 से किये गये दावों का करीब सोलह करोड़ रुपये पंजाब सरकार पर बकाया है। अब एक अगस्त से पंजाब के आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी इस योजना के लाभ पाने से वंचित होंगे। इससे पहले पीजीआई के अधिकारियों ने राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण पंजाब से लाभार्थियों को प्रदान किये गये उपचार के संबंधित लंबित दावों का भुगतान करने का आग्रह किया था, लेकिन राज्य सरकार ने इसके भुगतान में कोई रुचि नहीं दिखायी। इतना ही नहीं, पीजीआईएमईआर के अधिकारियों ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की कार्यान्वयन एजेंसी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण को भी पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप के लिये आग्रह किया था। दरअसल, मोदी सरकार की इस महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना में कमजोर वर्ग के लोगों को पांच लाख तक बीमा कवर प्रदान किया था जिसके अंतर्गत चालीस करोड़ लोगों को इसके दायरे में लाने का लक्ष्य था। मकसद यही था कि कमजोर वर्गों के लोग आसानी से गंभीर व सामान्य रोगों का उपचार करवा सकें। जिसके अंतर्गत 18 साल से अधिक उम्र के लोग जरूरी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन करके इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

दरअसल, इस योजना के तहत प्रावधान है कि केंद्र सरकार द्वारा साठ प्रतिशत व राज्य सरकारों द्वारा चालीस प्रतिशत के अनुपात में धनराशि देकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य के द्वारा दिये जाने वाले हिस्से का ही पंजाब सरकार भुगतान नहीं कर रही है। कई राज्यों में जहां इस योजना में बीमा कंपनियों की भूमिका तय की गई थी, वहीं करीब बीस राज्यों ने ट्रस्ट बनाकर लाभार्थियों को उपचार की सुविधा पहुंचाने की गंभीर पहल की। दरअसल, बीमा कंपनियों के साथ कई राज्यों के अनुभव अच्छे नहीं रहे। जहां सरकारों से बीमा कंपनियों ने पूरी रकम ले ली, वहीं दावों का भुगतान बेहद कम संख्या में किया। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने ट्रस्ट बनाकर लाभार्थियों को राहत पहुंचाने का उपक्रम किया। करीब एक हजार से अधिक पैकेज तय किये ताकि छोटी-बड़ी बीमारियों को इसमें कवर किया जा सके। राज्य सरकार ने जहां निजी अस्पतालों को अपने पैनल में लिया, वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों को भी पैनल में शामिल किया। जिससे आयुष्मान भारत योजना का लाभ अधिक संख्या में लोग उठा सकें। राज्य सरकार ने बीमारियों के उपचार हेतु बुनियादी ढांचा बनाने की भी पहल की जिनका संचालन राज्य सरकार ट्रस्ट बनाकर कर रही है। पंजाब के आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों का पीजीआई में इलाज से वंचित होना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। लोकलुभावनी राजनीति करने वाले राजनेता यदि राज्य में स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराना अपनी प्राथमिकता नहीं बनाते तो इसे राज्य की लोककल्याण की अवधारणा से खिलवाड़ ही कहा जायेगा। मुफ्त की राजनीति करने वाले नेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि रोटी-कपड़ा-मकान की प्राथमिकताओं के क्रम में ही स्वास्थ्य सेवाओं को भी तरजीह दी जानी चाहिए। राज्य की बदहाल चिकित्सा का सच किसी से छिपा नहीं है। यदि राज्य के सरकारी अस्पतालों को इस योजना के दायरे में शामिल किया जाता तो निश्चित रूप से दूरदराज के रोगियों को उपचार के लिये चंडीगढ़ के बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा।

आतंक का खात्मा

ओसामा बिन लादेन के बाद अल कायदा प्रमुख बना अयमान अल जवाहिरी भी मारा गया। लादेन के साथ मिलकर जवाहिरी 9/11 के आतंकवादी हमलों की योजना बनाने वालों में प्रमुख था और 2001 से ही अमेरिका के निशाने पर था। 21 साल बाद उसका पता लगाया जा सका और 71 वर्षीय जवाहिरी को अमेरिका ने अफगानिस्तान के काबुल में एक ड्रोन हमले में मार गिराया। यद्यपि उसके सिर पर 2.5 करोड़ डॉलर का इनाम था लेकिन जवाहिरी अल कायदा के प्रमुख के रूप में कभी बहुत प्रभावशाली नहीं रहा। इस्लामिक स्टेट (आईएस) के उभार ने जवाहिरी और अल कायदा का कद काफी छोटा कर दिया था। 2011 में अरब जगत में हुई कथित क्रांतियों ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई क्योंकि इनमें अल कायदा जैसे संगठनों को कोई भाव नहीं मिला। लादेन की मौत के बाद अल कायदा पहले ही कमजोर हो गया था। जवाहिरी प्रशिक्षित सर्जन था और लोग उसे डॉक्टर जवाहिरी के रूप में भी जानते थे। 1993 में मिस्र में इस्लामिक जिहाद में हिस्सा लेने के बाद वह पाकिस्तान चला गया और वहां बतौर डॉक्टर उन अफगान लड़ाकों का इलाज करने लगा जो सोवियत रूस के खिलाफ लड़ रहे थे। इस दौरान

उसकी दोस्ती बिन लादेन के साथ हुई। दोनों ने मिलकर अल कायदा की स्थापना की और आतंक की दुनिया पर छा गए। 2011 में लादेन के मारे जाने के बाद उसने अल कायदा की कमान संभाली और वीडियो जारी कर दुनिया को धमकाता रहा। वर्षों तक यह माना जाता रहा कि अल जवाहिरी पाकिस्तान या अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। लोग उसे भूलने लगे थे और सोमवार (1 अगस्त) को जो बाइडेन के अल जवाहिरी के मारे जाने के ऐलान के बाद काफी अर्से बाद अल जवाहिरी का नाम फिर सुतखयों में आया। 25 जुलाई को बाइडेन ने जवाहिरी को निशाना बनाने की मंजूरी दी थी और 31 जुलाई को काबुल स्थित उसके निवास पर दो मिसाइलें दागी गई। तब जवाहिरी मकान की बालकनी में टहल रहा था। हमले के लिए हेलफायर आर9एक्स मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ जिसके लिए वॉरहेड की जरूरत नहीं पड़ती, इससे धमाका भी नहीं होता है। इसमें रेजर जैसे छह ब्लेड होते हैं, जो निशाने के चीथड़े कर डालते हैं। यह मिसाइल इतना सटीक हमला करती है कि घर में मौजूद जवाहिरी के परिवार वालों को कोई क्षति नहीं पहुंची। जिसने आतंकी हमलों में 3000 से ज्यादा लोगों के चीथड़े उड़ाए, उसकी ऐसी मौत को यही कह सकते हैं-जैसे को तैसा।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अत- दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुत- जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अत- वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अत- निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

डूबना शहरों की नियति!

तय है कि आने वाले दिन शहरीकरण के विस्तार के हैं, तो फिर किया क्या जाए? एक तो जिन शहरी इलाकों में जल भराव होता है, वहां के जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। दूसरा, किसी भी इलाके में प्रति घंटा अधिकतम बरसात की संभावना का आकलन कर जल निकासी के अनुरूप ड्रेन बनाए जाएं। यह भी अनिवार्य है कि शहरीकरण-जलवायु परिवर्तन और जल निकासी पर पाठ्यक्रम तैयार हों और इन विषयों के विशेषज्ञ तैयार किए जाएं।

पंकज चतुर्वेदी

देश में जहां भी बरसात हुई, सुकून से ज्यादा आफत बन गई। बरसात अचानक बहुत तेज, बड़ी बूंदों के साथ और कम समय में इफरात में हो रही है।

बरसात की धार ने आईना दिखा दिया विकास का प्रतिमान कहे जाने वाले शहरों को, राजधानी दिल्ली हो, जयपुर या स्मार्ट सिटी परियोजना वाले इंदौर-भोपाल या बेंगलुरू या फिर हैदराबाद। अब जिला मुख्यालय स्तर के शहरों में भी बरसात में सड़क का दरिया बनना आम बात हो गई है। विडंबना है कि ये वे शहर हैं, जहां सारे साल एक-एक बूंद पानी के लिए मारामारी होती है, लेकिन पानी तनिक भी बरस जाए तो अव्यवस्थाएं उन्हें पानी-पानी कर देती हैं। बीते एक दशक के दौरान इस तरह शहरों में जल जमाव का दायरा बढ़ता जा रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में हाईकोर्ट से ले कर सुप्रीम कोर्ट तक कई-कई बार स्थानीय निकाय को बरसात में जल जमाव के स्थायी हल निकालने के लिए ताकीद कर चुके हैं। लेकिन हर बरसात में हाल पहले से बदतर होते हैं। अब समझना होगा कि जलवायु पर्वितन में बरसात का अनियमित होना और चरम होना अब सतत जारी रहेगा और शहरों में सड़क निर्माण से अधिक ध्यान ड्रेनेज, बहाव के ढाल और जमा पानी के संग्रहीकरण पर करना जरूरी है। आम बात है कि जिन शहरों में सड़कें बन रही हैं, वहां बरसात होने की दशा में जल निकासी पर कोई सटीक काम हो नहीं रहा है।

आर्थिक उदारीकरण के दौर में जिस तरह खेती-किसानी से लेगों को मोह भंग हुआ और जमीन को बेच कर शहरों में मजदूरी करने का प्रचलन बढ़ा है, उससे गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है।

विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक न तो नालियां बनीं, न सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। लोग रहें कहीं भी लेकिन उनके रोजगार, यातायात, शिक्षा और स्वास्थ्य का दबाव तो उसी 'चार दशक पुराने' नियोजित शहर पर पड़ा, जिस पर अनुमान से दस गुना ज्यादा बोझ हो गया है। परिणाम सामने हैं कि दिल्ली, बंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगर ही नहीं, देश के आधे से ज्यादा शहरी क्षेत्र अब बाढ़ की चपेट में हैं। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के एक शोध में

सामने आया है कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती। चूंकि शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है, और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है। जाहिर है कि ऐसी बस्तियों की उम्र ज्यादा नहीं है, और लगातार कमजोर हो रही जमीन पर खड़े कंक्रीट के जंगल किसी छोटे से भूकंप से भी ढह सकते हैं। याद करें दिल्ली में यमुना किनारे वाली कई कालोनियां के बेसमेंट में अप्रत्याशित पानी आने और ऐसी कुछ इमारतों के गिर जाने की घटनाएं भी हुई हैं।

यह दुखद है कि हमारे नीति निर्धारक अभी भी अनुभवों से सीख नहीं रहे हैं, और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य की नई बन रही राजधानी अमरावती कृष्णा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बनाई जा रही है। कहा जा रहा है कि यह पूरी तरह नदी के तट पर बसी होगी लेकिन यह नहीं बताया जा रहा कि इसके लिए नदी के मार्ग को संकरा कर जमीन उगाही जा रही है, और उसका अति बरसात में डूबना और यहां तक कि धंसने की पूरी-पूरी आशंका है। शहरों में बाढ़ के बड़े कारण पारंपरिक जल संरचनाओं जैसे-तालाब, बावड़ी, नदी का खत्म करना और उनके जल आगम क्षेत्र में अतिक्रमण, प्राकृतिक नालों पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई न होना हैं। लेकिन इनसे भी बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े के अंबार और उनके निबटान की माकूल व्यवस्था न होना। बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है।

शहरीकरण और वहां बाढ़ की दिक्कतों पर विचार करते समय एक वैश्विक त्रासदी को ध्यान में रखना जरूरी है-जलवायु परिवर्तन। इस बात के लिए हमें तैयार रहना होगा कि वातावरण में बढ़ रहे कार्बन और ग्रीन हाउस गैस प्रभावों के कारण ऋतुओं का चक्र गड़बड़ा रहा है, और इसकी की दुखद परिणति है- मौसमों का चरम। गरमी में भीषण गर्मी तो ठंड के दिनों में कभी बेतहाशा जाड़ा तो कभी गरमी का अहसास। बरसात में कभी सुखाड़ तो कभी अचनाक आठ से दस सेमी. पानी बरस जाना। संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट तो ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती का तापमान ऐसे ही बढ़ा तो समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा और उसके चलते कई शहरों पर डूब का खतरा होगा। खतरा महज समुद्र तटों के शहरों पर ही नहीं होगा , बल्कि उन शहरों को भी डुबा सकता है जो ऐसी नदियों के किनारे हैं, जिनका पानी सीधे समुद्र में गिरता है।

तय है कि आने वाले दिन शहरों के लिए सहज नहीं हैं, यह भी तय है कि आने वाले दिन शहरीकरण के विस्तार के हैं, तो फिर किया क्या जाए? एक तो जिन शहरी इलाकों में जल भराव होता है, उसके जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। दूसरा, किसी भी इलाके में प्रति घंटा अधिकतम बरसात की संभावना का आकलन कर वहां से जल निकासी के अनुरूप ड्रेन बनाए जाएं। यह भी अनिवार्य है कि सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई में शहरीकरण-जलवायु परिवर्तन और जल निकासी पर नये सिरे से पाठ्यक्रम तैयार हों और इन विषयों के विशेषज्ञ तैयार किए जाएं। आम लोग और सरकार कम से कम कचरा फैलाने पर काम करें। पॉलीथिन पर तो पूरी तरह पाबंदी लगे। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानी कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। शहरों में जिन स्थानों पर पानी भरता है, वहां उसे भूमिगत करने के प्रयास हों।

विचार मंथन

अलकायदा को झटका

सिध्दार्थ शंकर

अमेरिका ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अलकायदा सरगना अल जवाहिरी को एक ड्रोन स्ट्राइक में मार गिराया है। अल-जवाहिरी को मार गिराने के लिए बैठकों का लंबा दौर चला। एक जुलाई को ही सीआईए अधिकारियों के साथ बाइडन की बैठक में पूरा प्लान तैयार हुआ था। अमेरिका को शक था कि जवाहिरी या तो पाकिस्तान के कबायली इलाके या फिर अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। पिछले कई सालों से अमेरिकी सरकार को एक ऐसे आतंकी नेटवर्क के बारे में जानकारी मिल रही थी, जिसका समर्थन अल-जवाहिरी कर रहा था। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसी को काबुल में अलकायदा की उपस्थिति के संकेत व सबूत मिल रहे थे। इसी साल अमेरिकी अधिकारियों को पता चला कि जवाहिरी की पत्नी व बच्चे काबुल स्थित एक घर में रहते हैं। इसी जगह पर जवाहिरी के होने की पहचान की गई। अगले कुछ महीनों में सुरक्षा अधिकारियों ने इस बात को और पक्का किया कि पहचान किया जाने वाला शख्स अलकायदा चीफ अल-जवाहिरी ही है। इसके बाद अप्रैल से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को इस पूरे मामले की ब्रीफिंग शुरू कर दी गई।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी जानकारी दी। सीआईए ने जवाहिरी के घर के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दी। घर कैसे बना है। वहां पर आने-जाने के कितने रास्ते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी इकट्ठा की गई। जिससे मिशन को अंजाम देते वक्त जवाहिरी के परिवार व अन्य नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। 25 जुलाई को इस मिशन को अंजाम देने के लिए अंतिम बैठक हुई। इसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सटीक ड्रोन हमले(जिसमें नागरिकों को कम से कम नुकसान हो) की अनुमति दी। 31 जुलाई, रविवार को सीआईए को अल-जवाहिरी घर की बालकनी में दिखा। इसके बाद ड्रोन से हमला कर उसे मार गिराया गया। यह 11 नवंबर 2001 को हुए हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में एक और कदम है। अलकायदा एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन है। इसकी स्थापना आतंकवादी ओसामा बिन लादेन और अब्दुल्लाह आजम ने 1988 में की थी। बताया जाता है कि ये संगठन तब बनाया गया था, जब अफगानिस्तान में सोवियत संघ के सैनिक दाखिल हुए थे। इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, भारत, रूस और कई देशों ने आतंकवादी समूह करार दिया है। अलकायदा के पास 20 हजार से अधिक लड़ाके हैं और यह संगठन 60-65 देशों में मौजूद है। अलकायदा की संपत्ति की बात करें तो अलकायदा के पास 150 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1200 से 1500 करोड़ तक का फंड है। यह संगठन इसका इस्तेमाल दूसरे देशों में आतंक फैलाने और लड़ाकों को ट्रेनिंग करने पर करता है। अलकायदा को ओसामा-बिन-लादेन ने ही शुरू किया था। 10 मार्च 1957 को इसका जन्म सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ था। ओसामा के पिता मोहम्मद अवाद बिन लादेन एक अमीर बिल्डर थे। अवाद बिन लादेन के 52 बच्चे थे और ओसामा 17वें नंबर पर था। पिता की 1968 में मौत हो गई। तब ओसामा 11 साल का था और उसे विरासत में आठ करोड़ डॉलर की राशि मिली थी। उस दौरान वह स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। बाद में उसने सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला अजीज विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद अलकायदा प्रमुख की कुर्सी अयमान अल-जवाहिरी ने संभाल ली। अयमान अल-जवाहिरी की उम्र 71 साल है। इसने भी ओसामा के मरने के बाद भारत, अमेरिका समेत कई देशों में आतंकी हमले करवाए। इसका जन्म 1951 में गिजा में हुआ था। जवाहरी ने मेडिकल की पढ़ाई की थी। अभी इसकी तलाश दुनियाभर की कई एजेंसियां कर रहीं हैं। कहा जाता है कि अलकायदा को अभी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, ईराक, कुवैत जैसे देशों से फंडिंग मिलती है। सऊदी में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन से हुई थी। फिर दोनों के बीच दोस्ती गहरी हो गई। लादेन अपने संगठन को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के पेशावर गया था और इस दौरान अल जवाहिरी भी उसके साथ था। यहीं से दोनों आतंकियों के बीच रिश्ता और मजबूत होने लगा। इसके बाद 2001 में अल जवाहिरी ने अपने संगठन का अलकायदा में विलय कर लिया। अलकायदा को ओसामा-बिन-लादेन ने ही शुरू किया था। 10 मार्च 1957 को इसका जन्म सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ था। ओसामा के पिता मोहम्मद अवाद बिन लादेन एक अमीर बिल्डर थे। अवाद बिन लादेन के 52 बच्चे थे और ओसामा 17वें नंबर पर था। पिता की 1968 में मौत हो गई। तब ओसामा 11 साल का था और उसे विरासत में आठ करोड़ डॉलर की राशि मिली थी। उस दौरान वह स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। बाद में उसने सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला अजीज विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ओसामा बिन लादेन कट्टरपंथी इस्लामी शिक्षकों और छात्रों के संपर्क में आया। इसके बाद वह 1979 में मुजाहिदीन नाम से पहचाने जाने वाले लड़ाकों की मदद के लिए अफगानिस्तान गया। लादेन एक गुट का मुख्य आर्थिक मददगार बन गया, जो बाद में अल कायदा कहलाया। 1989 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के हटने के बाद लादेन अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए वापस सऊदी अरब लौट गया। यहां उसने अफगान युद्ध में मदद के लिए फंड जुटाना शुरू किया। यहीं से अलकायदा वैश्विक गुट बन गया।

देश के उपराष्ट्रपति

राष्ट्र निर्माण में रहा रचनात्मक योगदान

आर.के. सिन्हा

भारत के अगले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बनेंगे या मार्गरेट अल्वा? इस सवाल का उत्तर देश को आगामी 6 अगस्त को होने वाले उपराष्ट्रपति के चुनाव के नतीजे आने के बाद मिल जाएगा।

अब तक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि, गोपाल स्वरूप पाठक, बी.डी.जत्ती, एम. हिदायतउल्ला, आर. वेंकटमण, डॉ. शंकरदयाल शर्मा, डॉ. के. आर. नारायणन, कृष्ण कांत, भैरों सिंह शेखावत, हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू को देश के उपराष्ट्रपति बनने का गौरव मिला।

भारत के पहले उपराष्ट्रपति थे डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन। उन्होंने उपराष्ट्रपति रहते हुए राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक योगदान दिया। उन्हीं की पहल पर राजधानी को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) मिला था। डॉ. राधाकृष्णन ने 1958 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु से इच्छा जताई थी कि राजधानी में कोई इस तरह की जगह बन जाए जिधर पढ़ने-लिखने की दुनिया से जुड़े लोग मिल-बैठ करते रहें। उनकी सलाह नेहरू को पसंद आ गई।

उन्होंने बिना देर किए शहरी विकास मंत्रालय को निर्देश दिए किए कि वह एक प्लॉट अलॉट करे। नेहरू के निर्देश के बाद देरी होने का सवाल ही नहीं था। तब लोधी गार्डन से सटा 4.76 एकड़ का प्लॉट आईआईसी के लिए अलॉट किया गया। प्लॉट मिलने के बाद डॉ. राधाकृष्णन ने आईआईसी को खड़ा करने के लिए वित्त मंत्री डॉ सी.डी. देशमुख, प्रो. एच.एन. कुंजरू, प्रो. हुमायूं कबीर (जॉर्ज फर्नांडिस के ससुर), दिल्ली स्कूल ऑफ इक्नोमिक्स के डायरेक्टर डॉ वीकेआरवी राव वगैरह को जोड़ा। इसका डिजाइन तैयार किया महान आर्किटेक्ट जोसेफ एलेन स्टाइन ने। इसके लाजवाब डिजाइन ने उन्हें खूब ख्याति दिलवाई। स्टाइन साहब ने आईआईसी में जालियों और छज्जों को जगह दी।

अंसारी साहब से पहले डॉ. जाकिर हुसैन तथा मोहम्मद हिदायतुल्लाह देश के मुस्लिम समाज से आने वाले उपराष्ट्रपति बने थे। दोनों की शानदार शख्सियत थी। डॉ. जाकिर हुसैन चोटी के शिक्षाविद् और स्वाधीनता सेनानी भी थे। इन दोनों की भारत के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति आस्था गहरी और निर्विवाद थी पर अंसारी साहब अपने को पहले मुसलमान साबित करने में लगे रहते हैं। मोहम्मद हिदायतुल्लाह 53 साल की आयु में सुप्रीम कोर्ट के जज बने। उन्हें 28 फरवरी, 1968 को देश का चीफ जस्टिस बनाया गया था। वे देश के 1979 से 1984 तक उपराष्ट्रपति रहे। इस दौरान राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जब इलाज के लिए अमेरिका गए तो उन्होंने 6 अक्टूबर, 1982 से 31 अक्टूबर, 1982 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी काम किया। वे बेहद सुलझे हुए इंसान थे। सारा देश उनकी विद्वता को स्वीकार करता था। यहां पर भैरों सिंह शेखावत के उपराष्ट्रपति काल का जिक्र करना समीचिन रहेगा। वे जब उपराष्ट्रपति थे तब उपराष्ट्रपति आवास के गेट आम-खास सब के लिए खुले रहते थे।

भैरों सिंह शेखावत 19 अगस्त, 2002 से 21 जुलाई, 2007 तक उपराष्ट्रपति रहे। वे राजस्थान के मुख्यमंत्री भी रहे। भैरों सिंह शेखावत का जन्म तत्कालीन जयपुर रियासत के गांव खाचरियावास में हुआ था। यह गांव अब राजस्थान के सीकर जिले में है। शेखावत को मित्रों के बीच रहना पसंद था। वे किस्सागो इंसान थे। उनके पास मिलने वालों की भीड़ कभी कम नहीं होती थी। गर्मागर्म चाय पिलाकर वे अतिथियों से विस्तार से वार्तालाप करते थे। गंभीर राजनीति हो या तनाव के लम्हे, शेखावत हास्य के क्षण ढूंढ लेते थे। ये उनकी जीवटता की खुराक थी। उनके दोस्त सभी दलों में थे, शायद सभी दिलों में भी। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति रहे भैरों सिंह शेखावत राजस्थान की सियासत में ऐसे वटवृक्ष थे जिनकी छांव एक बड़ा दायरा बनाती थी। उनके विरोधी तो थे, मगर शत्रु कोई नहीं। वो खुद भी कहते थे, 'मैं दोस्त बनाता हूं..दुश्मन नहीं।'

देश के निवर्तमान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी उपराष्ट्रपति पद को गरिमा प्रदान की। उनकी छवि भी एक 'आंदोलनकारी' की रही। वे 1972 में 'जय आंध्र आंदोलन' के दौरान पहली बार सुर्खियों में आए थे। उन्होंने इस दौरान नेल्लोर के आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए विजयवाड़ा से आंदोलन का नेतृत्व किया। छात्र जीवन में उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विचारधारा से प्रभावित होकर आपातकालीन संघर्ष में हिस्सा लिया। आपातकाल के विरोध में सड़कों पर उतर आए और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। वे बेहतरीन मेजबान भी हैं। सबसे खूब प्रेम से मिलते-जुलते हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में भी उनका कार्यकाल शानदार रहा। वे अपनी बात कहने से कभी पीछे नहीं हटते। वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद अपने संतुलित और सकारात्मक विचारों से निश्चित रूप से देश का मार्गदशर्न करते रहेंगे।

अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच फिर बढ़ा विवाद, कब्जा का दावा, 3 सैनिकों की मौत

मास्को। रूस ने बुधवार को अजरबैजान पर विवादित नागोर्नो-कराबाख क्षेत्र में संघर्ष विराम तोड़ने का आरोप लगाया है। बता दें कि इस संघर्ष में तीन सैनिकों की मौत हो गई है। रूस ने 2020 में इस क्षेत्र में लड़ाई के छह सप्ताह में 6,500 से अधिक लोगों की जान गंवाने के बाद युद्धविराम समझौते में मदद की थी। रूस ने अज़रबैजानी और अर्मेनियाई प्रतिनिधियों के साथ स्थिति को स्थिर करने के लिए उपाय करने की कसम खाई थी। अज़रबैजान ने संघर्ष के लिए आर्मेनिया को दोषी ठहराया है। अज़रबैजान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कराबाख सैनिकों ने लाचिन जिले में एक हमले में अपने एक सैनिक को मार डाला। बाद में, अज़रबैजानी सेना ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में, उसने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।हालांकि, गैर-मान्यता प्राप्त नागोर्नो-कराबाख गणराज्य की सेना ने अजरबैजान पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसमें उसके दो सैनिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए है। आर्मेनिया और अजरबैजान ने नागोर्नो-कराबाख के क्षेत्र में 2020 और 1990 के दशक में दो युद्ध लड़े। युद्धविराम की निगरानी के लिए रूस ने करीब 2,000 शांति सैनिकों को तैनात किया हुआ है। इस महीने की शुरुआत में, आर्मेनिया विवादित क्षेत्र से सभी सैनिकों को वापस लेने पर सहमत हुआ था।

अमेरिकी सांसद जैकी वालोर्स्की की कार दुर्घटना में मौत, जो बाइडेन ने जताया दुख

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक सड़क दुर्घटना में रिपब्लिकन पार्टी की नेता एवं सांसद जैकी वालोरस्की और उनके दो कर्मचारियों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। रिपब्लिकन पार्टी की नेता जैकी वालोरस्की अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में इंडियाना राज्य का प्रतिनिधित्व करती थीं। एल्खर्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि यह दुर्घटना बुधवार अपराह्न करीब 12 बजकर 30 मिनट पर हुई, जब एक कार राज्य राजमार्ग पर अपनी लेन को पार कर गई और वालोरस्की की एसयूवी से टकरा गई। अधिकारियों के मुताबिक एसयूवी में वालोरस्की (58) के अलावा उनके दो कर्मचारी भी मौजूद थे। एसयूवी से टकराने वाली कार की महिला चालक की भी इस दुर्घटना में मौत हो गयी। वालोरस्की अमेरिकी कांग्रेस की कई समितियों की सदस्य भी रही हैं। वह पहली बार 2012 में इंडियाना राज्य से निर्वाचित हुई थीं। वालोरस्की के चीफ ऑफ स्टाफ टिम कमिंग्स ने एक बयान में कहा, 'वह अपने प्रभु ईसा मसीह के पास चली गयी हैं। कृपया उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं करें।

पाकिस्तान: लाहौर में 1200 साल पुराने वाल्मिकी मंदिर का किया जाएगा जीर्णोद्धार

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर शहर में 1200 पुराने हिंदू मंदिर को जीर्णोद्धार किया जाएगा। इस मंदिर पर अवैध कब्जा किया गया था जिसे खाली कराने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। मुल्क में अल्पसंख्यकों के पूजास्थलों की निगरानी करने वाली संघीय संस्था इवैक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने लाहौर के मशहूर अनारकली बाजार के पास स्थित वाल्मिकी मंदिर का कब्जा पिछले महीने ईसाई परिवार से लिया था। लाहौर में कृष्ण मंदिर के अलावा वाल्मिकी मंदिर ही खुला रहता है। हिंदू धर्म अपना लेने का दावा करने वाला ईसाई परिवार पिछले दो दशकों से केवल वाल्मीकि जाति के हिंदुओं को मंदिर में पूजा करने दे रहा था। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि आने वाले दिनों में मास्टर प्लान के तहत वाल्मीकि मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने कहा, '100 से अधिक हिंदू, कुछ सिख और ईसाई नेता आज वाल्मीकि मंदिर में एकत्र हुए। हिंदुओं ने अपने धार्मिक अनुष्ठान किए और लंगर का आयोजन किया।

द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी नैंसी पेलोसी

सियोल । अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी को द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके एक दिन पहले पेलोसी ने चीन के कड़े विरोध के बावजूद ताइवान की यात्रा की थी, जो इस स्वशासित द्वीप पर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अमेरिका की ''अडिग'' प्रतिबद्धता को दिखाता है। पेलोसी कांग्रेस के अन्य सदस्यों के साथ दक्षिण कोरिया पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और ताइवान की यात्रा की। दक्षिण कोरिया के बाद वह जापान जाएंगी। पेलोसी दक्षिण कोरियाई नेशनल असेंबली के अध्यक्ष किम जिन प्यो तथा संसद के अन्य वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर बातचीत करेंगी। किम के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि पेलोसी की अंतर-कोरियाई सीमा क्षेत्र की यात्रा करने की भी योजना है, जिस पर अमेरिका नीत संयुक्त राष्ट्र कमान और उत्तर कोरिया का नियंत्रण है।

चीन में किंडरगार्टन स्कूल पर हमले का संदिग्ध गिरफ्तार

बीजिंग। चीन के जियांगशी प्रांत के किंडरगार्टन स्कूल पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने 47 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक लुई शियाओहुई को करीब 10 बजकर 50 मिनट पर गिरफ्तार किया गया। किंडरगार्टन स्कूल पर बुधवार सुबह हमला हुआ था। पुलिस ने इस हमले में मारे गए लोगों के बारे में जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में कम से कम एक बच्चे की मौत हुई है। गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों में चीन में स्कूलों पर हमले की घटनाएं बढ़ने के बाद सरकार ने स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

कनाडा में बेसबाल के आकार की ओलावृष्टि, गाड़ियों के शीशे टूटे

अल्बर्टा । कनाडा में पिछले दिनों भारी ओलावृष्टि से 10 से 15 मिनट तक तूफान के साथ आए बवंडर के बीच बड़े-बड़े अंगूर और बेसबाल के आकार के ओले गिरे, जिससे लोग दहशत में आ गए। इस दौरान दर्जनों गाड़ियों के शीशे चकनाचूर हो गए। ओलावृष्टि के दौरान कई यात्री जहां थे, वहीं रास्ते में फंसे रह गए। लोग इतने बड़े-बड़े ओले देखकर दंग रह गए। लोगों ने इसकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा की है। मौसम विज्ञानियों ने इस घटना को लेकर चिंता जाहिर की है। जानकारी के मुताबिक कनाडा के एक पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा में आए एक बवंडर के बाद ऐसी ओलावृष्टि हुई, जिसने लोगों को हैरान कर दिया। रायल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने कहा कि तूफान करीब 10 से 15 मिनट तक चला और करीब 34 वाहनों को नुकसान पहुंचा। कई लोगों को मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने बताया कि बवंडर आया और अचानक बेसबाल के आकार के ओले गिरने लगे। इतने बड़े-बड़े ओलों को देखकर लोग घबरा गए और कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। दरअसल, लोग इतने बड़े आकार के ओलों को देखकर दहशत में आ गए। लोगों समझ ही नहीं पाए कि आखिर ये हो क्या रहा है। कुछ लोगों को लगा कि कोई बड़े-बड़े पत्थर मार रहा है। लोगों को जब तक समझ आया कि क्या हो रहा है, तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

स्पेन में महिलाओं पर नुकीली सुई से हमले की घटनाएं बढ़ीं

बार्सिलोना । स्पेन में इन दिनों महिलाओं पर नुकीली सुई से हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसको लेकर महिलाओं में दहशत पैदा हो गई है। ऐसे हमले ज्यादातर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर होते हैं। ब्रिटेन और फ्रांस में भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। स्पेन की पुलिस भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सिरिंज से जुड़े हमलों की जांच कर रही है। पिछले कुछ हफ्तों में इस तरह की घटनाओं पुलिस में को रिपोर्ट किया गया है। वहीं सोशल मीडिया पर भी कई लोग इस हमले के बारे में लिख रहे हैं। रिपोर्ट किए गए मामलों में आशंका जताई जा रही है कि हमलावर महिलाओं पर यौन हमला करने के लिए सीरिंज में नशीला पदार्थ मिला कर हमला कर रहा है। हालांकि, अब तक दवाओं या अन्य जहरीले उत्पादों के कोई निशान नहीं मिले हैं। इसके साथ ही सुई हमले के बाद किसी तरह की यौन हिंसा का मामला भी सामने नहीं आया है। पिछले कुछ हफ्तों में पुलिस ने केटालोनिया में 23 ऐसे मामले दर्ज किए हैं। ये मामले ज्यादातर पर्यटक शहर लोरेट डी मार और बार्सिलोना में और 12 बास्क देश में दर्ज किए गए हैं। बास्क पुलिस के मुताबिक हमलावर ज्यादातर यंग महिलाओं को टारगेट करते हैं। हमले का पैटर्न लगभग एक समान है। आमतौर पर एक युवा महिला जब पार्टी से बाहर जा रही होती हैं, तब उस पर यह हमला होता है। हमले में सुई हाथ या पैर में चुभती है और इसके प्रभाव से महिला को सिर में चक्कर आते हैं या फिर नींद आ जाती है।

नोमपेन्ह में आसियान देशों के विदेश मंत्री एकसाथ नजर आये।

नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से गुस्साया चीन, ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी

बीजिंग । अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से चीन काफी गुस्से में है। चीनी सैनिकों ने ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी हैं। सैन्य अभ्यास के दौरान ताइवान के आसपास पानी में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ताइपे के रक्षा मंत्रालय ने इस क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाली तर्कहीन कार्रवाई करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार की दोपहर लगभग 13:56 बजे पूर्वोत्तर और दक्षिण-पश्चिमी ताइवान के आसपास के क्षेत्रों में डोंगफेंग श्रृंखला की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी है।' चीनी ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि उसने नियोजित अभ्यास के तहत गुरुवार को ताइवान के पूर्वी तट के पानी पर पारंपरिक मिसाइलों की कई फायरिंग पूरी कर ली है। ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने कहा कि गोलीबारी पूरी होने के बाद संबंधित समुद्री और हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण हटा लिया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कंबोडिया में आसियान कार्यक्रमों के इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके जापानी समकक्ष के बीच एक बैठक रद्द कर दी गई है। एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि ताइवान के बारे में सात देशों के समूह द्वारा दिए गए संयुक्त बयान से चीनी पक्ष बहुत नाराज है। आपको बता दें कि जापान सहित जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों ने बुधवार को चीन से ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास तनाव को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का आह्वान किया था।

आतंकवाद पर विशेष बैठक में संरा सुरक्षा परिषद के सदस्यों की मेजबानी करेगा भारत

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत आतंकवाद के खिलाफ 29 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का अस्थायी सदस्य के रूप में दो साल का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाला है। दिसंबर में देश संयुक्त राष्ट्र की इस शक्तिशाली निकाय की अध्यक्षता भी करेगा। भारत 2022 के लिए सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता करेगा और आतंकवाद के खिलाफ अक्टूबर में अमेरिका, चीन और रूस सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। सुरक्षा परिषद के वर्तमान सदस्यों में अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना, भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको, नॉर्वे और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ-साथ पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार ?कि नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) ने इस विषय पर 29 अक्टूबर, 2022 को भारत में अपने कार्यकारी निदेशालय (सीटीईडी) के सहयोग से एक विशेष बैठक आयोजित करने का निर्णय किया है। नकारी के अनुसार विशेष बैठक में खासकर तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जहां उभरती हुई प्रौद्योगिकियां का तेजी से विकास हो रहा है। सदस्य देशों द्वारा इनके बढ़ते इस्तेमाल (सुरक्षा और आतंकवाद रोधी उद्देश्यों सहित) और आतंकवादी कृत्यों के लिए इसके इस्तेमाल के बढ़ते खतरे, अर्थात इंटरनेट तथा सोशल मीडिया, आतंकवाद के वित्त पोषण, और मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) में इसके इस्तेमाल पर चर्चा की जाएगी।

जवाहिरी की मौत पर तालिबान ने तोड़ी चुप्पी, कहा-अफगानिस्तान में अल-कायदा सरगना की मौजूदगी से थे अनजान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

काबुल में अल-कायदा प्रमुख के अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए तालिबान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे अयमान अल-जवाहिरी की मौजूदगी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जवाहिरी के मारे जाने के बाद तालिबान और पश्चिमी देशों के संबंधों में तनाव और बढ़ गया है। तालिबान के दोहा (कतर) स्थित राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख सुहैल शाहीन ने एपी को भेजे एक संदेश में कहा, ''सरकार और नेतृत्व को पता नहीं था, जैसा दावा किया जा रहा है।''

तालिबान का दावा और अमेरिकी बयान में विरोधाभास है क्योंकि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जवाहिरी तालिबान के वरिष्ठ नेता सिराजुद्दीन हक्कानी के एक शीर्ष सहयोगी के घर में रह रहा था। हक्कानी तालिबान के उप प्रमुख हैं और सरकार में आंतरिक मंत्री हैं। वह हक्कानी नेटवर्क के प्रमुख भी हैं। वर्ष 2020 के दोहा समझौते मेंतालिबान ने अमेरिका से वादा किया था कि वे अल-कायदा के सदस्यों या अमेरिका पर हमला करने की मंशा रखने वालों को पनाह नहीं देंगे। शाहीन ने कहा कि दावे की सत्यता का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। इस संबंध में नेतृत्व लगातार बैठकें कर रहा है। निष्कर्ष सभी के साथ साझा किए जाएंगे।

कड़ी पाबंदियों के बाद भी स्पेस में सैटेलाइट भेज रहा है ईरान, रूस बन रहा मददगार

मास्को (एजेंसी)।

परमाणु समझौता रद्द होने के बाद कड़ी पाबंदियों के बीच ईरान का मददगार बनकर रूस सहयोग कर रहा है। रूस की स्पेस एजेंसी रोसकॉस्मोस अगले हफ्ते ईरान की एक सैटेलाइट लांच करने जा रही है। रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यान, 'खय्याम' नामक एक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 9 अगस्त को पड़ोसी देश कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से सोयुज-2.1 बी रॉकेट द्वारा कक्षा में भेजा जाएगा। रूस ने दक्षिणी कजाकिस्तान में एक स्पेसपोर्ट को लीज पर लिया है। खबर के अनुसार ईरान के इस अर्थ ऑब्जर्वेशन उपग्रह का नाम प्रसिद्ध फ़ारसी पॉलीमैथ उमर खय्याम के नाम पर रखा गया है, जो गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन और कविता के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। यह सैटेलाइट कथित तौर पर ईरान की कृषि उत्पादकता में सुधार, जल संसाधनों की बेहतर निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं, निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं की निगरानी और देश की सीमाओं पर कड़ी नजर भी रखेगा।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने बीते कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। इस साल की शुरुआत में, ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की एयरोस्पेस फोर्स ने अपने पहले सैन्य उपग्रह के लॉन्च के लगभग दो साल बाद, अपने दूसरे उपग्रह नूर-2 को लोअर अर्थ ऑर्बिट (लियो) में लॉन्च किया था। ईरानी वैज्ञानिकों के अनुसार नूर-2 उपग्रह से ईरान में कई सैन्य और नागरिक मिशनों को अंजाम देने में सहायता हासिल होगी।

ताइवान पर बंटी दुनिया, चीन को मिला रूस का साथ तो जी-7 देश हुए खिलाफ; खूब बरसा कनाडा

ओटावा (एजेंसी)।

चीन और ताइवान के बीच छिड़ी तकरार में अमेरिका की इंट्री से ड्रैगन खासा खफा है। इस टकराव में दुनिया के कई और देश शामिल हो गए हैं। एक तरफ रूस ने बुधवार को बयान जारी कर अमेरिका पर आरोप लगाया था कि उसने नैन्सी पेलोसी को ताइवान भेजकर विवाद को हवा दी है और उकसाने वाला काम किया है। वहीं दूसरी तरफ कनाडा भी इस मसले में कूद पड़ा है और उसने चीन को इस तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि चीन जो कर रहा है, उसे लेकर हम बेहद चिंतित हैं। उसकी ओर से सेना की बड़े पैमाने पर तैनाती करना गैर-जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चीन की हरकतों को भी किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता।

जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने यही बात कही। जोली और जर्मन विदेश मंत्री ने चीन से तनाव को कम करने की अपील की। बता दें कि नैन्सी पेलोसी ताइवान के एक दिवसीय दौरे पर पहुंची थीं और उसे लेकर चीन लाल हो गया है। 25 साल के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब अमेरिका कोई नेता ताइवान पहुंचा है। द्वीपीय देश ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता रहा है और कई बार सेना के जोर पर उस पर कब्जा जमाने की भी धमकियां दे चुका है। इस बीच जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की ओर से भी इस मामले में बयान जारी किया गया है।

ग्रुप-7 देशों का कहना है, 'ताइवान की खाड़ी में जिस तरह से आक्रामक सैन्य गतिविधि चल रही है, उसे सही नहीं कहा जा सकता। हमारे सांसदों का दुनिया के किसी भी इलाके में दौरा करना सामान्य है और रूटीन प्रक्रिया है। लेकिन चीन के रवैये ने तनाव पैदा कर दिया है और क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की गई है।' जी-7 देशों की ओर से जो बयान जारी किया गया है, उसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अलावा कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान और यूके के विदेश मंत्रियों ने साइन किए हैं। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधि की ओर से भी इस पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस तरह से अमेरिका को ताइवान के मसले पर जी-7 देशों का समर्थन मिला है। वहीं पाकिस्तान और रूस ने चीन का समर्थन किया है।

अलकायदा सरगना पर सीक्रेट ऑपरेशन को लेकर बड़ा दावा, यूएस स्ट्राइक में हक्कानी परिवार के सदस्य भी मारे गए

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

अल-कायदा नेता अयमान अल-जवाहिरी 2 अगस्त को अफगानिस्तान में अमेरिका द्वारा ड्रोन हमले में मारा गया था। लेकिन अब इसको लेकर अफगान राजदूत की तरफ से बहुत बड़ा दावा किया गया है। ताजिकिस्तान में अफगान दूत राजदूत मोहम्मद ज़हीर अघबर ने कहा कि हक्कानी के परिवार के सदस्य भी अमेरिकी स्ट्राइक में मारे गए। बता दें कि हक्कानी नेटवर्क जलालुद्दीन हक्कानी द्वारा स्थापित एक इस्लामी आतंकवादी संगठन है। राजदूत मोहम्मद जहीर अघबर ने इंडिया टुडे को बताया कि काबुल से मिली रिपोर्ट के मुताबिक हक्कानी समूह के कुछ परिवार के सदस्य अमेरिकी हमले में मारे गए। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वो घर हक्कानी का था।

काबुल में बहुमंजिला बंगला, जहां अल-कायदा नेता छिपा हुआ था, अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी के करीबी सहयोगी के पास था। अफगान दूत के अनुसार सिराजुद्दीन हक्कानी और अन्य शीर्ष नेता काबुल में सुरक्षित घरों को छोड़कर कहीं और चले गए हैं। अयमान अल-जवाहिरी की हत्या अफगानिस्तान के लोगों के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि तालिबान के संरक्षण में अफगानिस्तान में आतंकवाद बढ़ रहे हैं।

अल-कायदा नेताओं के ठिकाने का खुलासा करने में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में बोलते हुए अफगान दूत ने कहा कि चूंकि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ बहुत विविध संबंध हैं, इसलिए वह अफगानिस्तान के भीतर बहुत सी चीजों तक आसानी से पहुंच सकता है। राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है। उन समूहों की सराहना करें जिन्होंने अमेरिका को जवाहिरी के ठिकाने की जानकारी दी। इसने तालिबान का पर्दाफाश किया है। इस सप्ताह के अंत में अफगानिस्तान में एक अमेरिकी ड्रोन हमले ने अयमान अल-जवाहरी को ढेर कर दिया गया। जवाहिरी वही शख्स था जिसने ओसामा बिन लादेन को अमेरिका पर 9/11 के हमलों की साजिश रचने में मदद की थी।

21 साल पहले आतंकी संगठन अलकायदा ने अमेरिका पर खौफनाक हमला किया था। जिससे कम से कम तीन हजार लोगों की मौत हो गई। जिसे देख पूरी दुनिया हैरान रह गई। 9/11 के हमलों के बाद के दो दशकों में, वाशिंगटन ने हमलों के अपराधियों की तलाश की और उन्हें दंडित

किया। 9/11 के हमलों के पीछे एक और मास्टरमाइंड अयमान अल-जवाहिरी था। मेरिकी खुफिया विभाग की निगाहें भी जवाहिरी को ही ढूंढ रही थीं। खुफिया विभाग को पता चला कि वह अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के उपनगरीय इलाके में है। 31 जुलाई की सुबह एक ऑपरेशन शुरू किया। ड्रोन हमले में जवाहिरी मारा गया।

जानलेवा है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।

भारत में फैलने का प्रमुख कारण

भारत में हेपटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

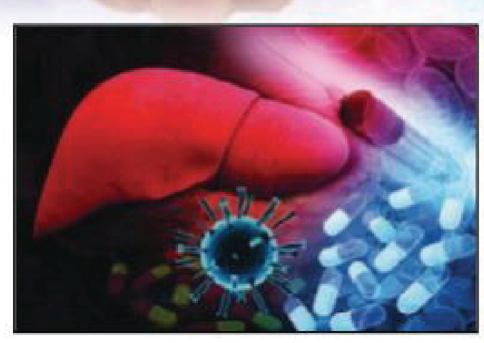

ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।
हेपटाइटिस, मॉनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।
पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कॉहॉल से दूरी बनानी चाहिए
शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

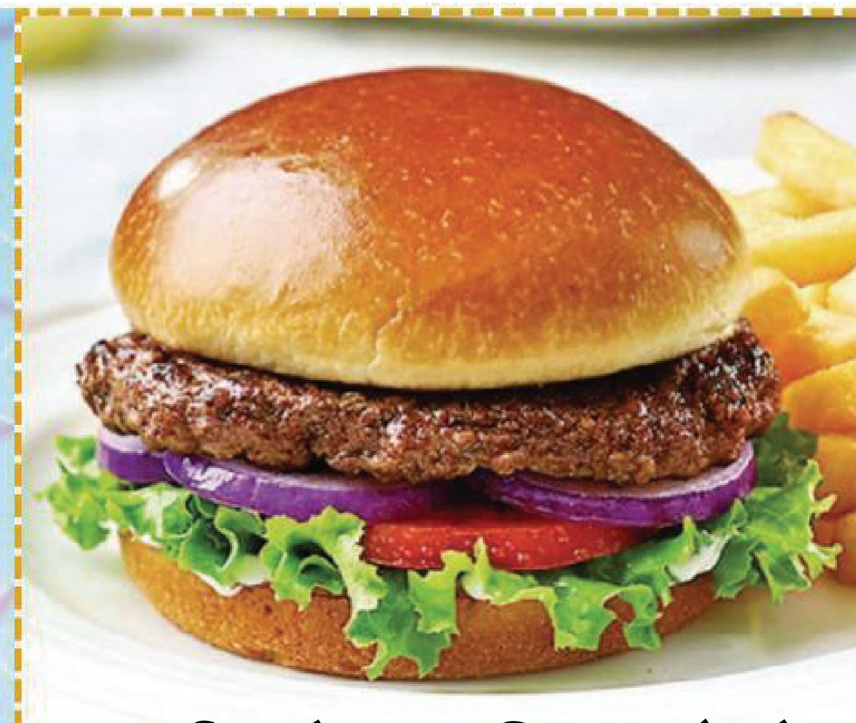

हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी–कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी ऐसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एग्जिमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन–डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैंक्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैंक्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल–यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर्स में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहार्ट डेटाबेस का उपयोग करके बल्ड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे–जैसे बल्ड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ–साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका बल्ड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्य होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते है तो आप सिर्फ सौंप का सेवन करें।

आज हम आपको सौंप के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते है।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।

सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डीटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।

अहमदाबाद से चंडीगढ़ जा रही फ्लाइट से पक्षी टकरा, डायवर्ट की गई फ्लाइट

अहमदाबाद । अहमदाबाद से चंडीगढ़ जा रही फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। इसके बाद फ्लाइट को डायवर्ट किया गया। डीसीजीए के मुताबिक, गो फास्ट की फ्लाइट ने 4 अगस्त को अहमदाबाद से चंडीगढ़ के लिए उड़ान भरी थी। इसमें पक्षी टकराने के बाद इसे अहमदाबाद डायवर्ट किया गया। इसके पहले जून में भी पटना से दिल्ली और दिल्ली से गुवाहाटी जा रहे विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी। इन दोनों विमानों में पक्षी के टकराने से तकनीकी समस्या आ गई थी। उड़ान के कुछ देर ही बाद ही विमानों को लैंड कराना पड़ा. एक विमान के इंजन में आग भी लग गई थी। पक्षी के टकराने की घटनाएं आमतौर पर तब सामने आती हैं, जब विमान कम ऊंचाई पर उड़ता है। लैंडिंग और टेकऑफ के समय ये घटनाएं ज्यादा सामने आतीं हैं। आमतौर पर पक्षी के टकराने की ज्यादातर घटनाएं खतरनाक नहीं होतीं हैं, लेकिन कई बार पक्षी के टकराने से स्थिति बिगड़ जाती है और विमान को तुरंत लैंड कराने की जरूरत पड़ जाती है। इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन एक सर्वे के मुताबिक, हर दिन विमान से पक्षियों के टकराने की औसतन 34 घटनाएं सामने आतीं हैं। इससे सालाना 1 अरब डॉलर (करीब 7,800 करोड़ रुपये) का नुकसान होता है। सर्वे में ये भी सामने आया था कि लगभग 92 फीसदी घटनाओं में कोई नुकसान नहीं होता है।

मुंबई पुलिस ने दवा बनाने वाली कंपनी पर मारा छापा, 1400 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई । मुंबई पुलिस ने पालघर के नालासोपारा में दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान 1400 करोड़ रुपये की 700 किलोग्राम से ज्यादा मेफेड्रोन (ड्रग्स) जब्त किया गया। पुलिस ने छापे के दौरान 5 लोगों को भी गिरफ्तार किया हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच के एंटी नारकोटिक्स सेल ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। उन्हें जानकारी मिली थी कि कंपनी में मेफेड्रोन नाम की प्रतिबंधित दवा का निर्माण हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि चार आरोपियों को मुंबई में गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक व्यक्ति को पालघर के नालासोपारा से अरेस्ट किया गया। क्राइम ब्रांच का दावा है कि पिछले कुछ दिनों में नशीली दवाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई में ये सबसे बड़ा एक्शन है। मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी के रूप में भी जाना जाता है। यह एक सिंथेटिक ड्रग है। यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ है। बता दें कि इस तरह की कार्रवाई डीआरआई की टीम ने गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर 20 सितंबर 2021 को किया था। यहां से 9000 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की गई थी। एजेंसी के अधिकारियों ने वहां से 2,988.22 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। ड्रग्स की खेप का कनेक्शन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से था। दरअसल, पकड़ी गई नशे की खेप विजयवाड़ा की आशी ट्रेडिंग कंपनी के आयात किए गए पैकेज के अंदर छिपी हुई थी। कंपनी अफगानिस्तान से टैल्क पत्थरों को आयात करने का दावा करती है और उन्हें ईरान के अब्बास पोर्ट से गुजरात की मुंद्रा पोर्ट भेजती है। विजयवाड़ा की कंपनी पर आरोप है कि वह कंधार में हसन हुसैन लिमिटेड से आयातित ' 'टैल्कम पाउडर' के नाम पर हेरोइन की तस्करी कर रही थी। इस रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

बिचौलियों के जरिये नौकरी देने के विरोध में कश्मीर की सड़कों पर उतरे वोकेशनल ट्रेनर्स/टीचर्स

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों में काम कर रहे व्यावसायिक प्रशिक्षकों का श्रीनगर में चौथे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी है। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न इलाकों से श्रीनगर आये व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने प्रेस इंक्लेव में धरना दिया हुआ है। इन लोगों की स्थानीय प्रशासन से मांग है कि इनकी पक्की नौकरी का इंतजाम किया जाये। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले छह सालों से इनकी तरक्की और वेतन वृद्धि भी रुकी हुई है जिससे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभासाक्षी के साथ बातचीत में जम्मू-कश्मीर वोकेशनल ट्रेनर्स वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े लोगों ने वोकेशनल ट्रेनिंग पार्टनर्स का विरोध करते हुए कहा कि उन निजी कंपनियों को हटाया जाना चाहिए जिनके माध्यम से हमें काम दिया जाता है। इन सभी का कहना है कि हम सरकार के अधीन काम करना चाहते हैं ना कि किसी बिचौलिये के जरिये। आइये देखते हैं यह लोग अपनी मांगों के समर्थन में और निजी कंपनियों के खिलाफ क्या कह रहे हैं। लोगों ने कहा कि अधिकारी उनके लिए उचित नौकरी नीति लागू नहीं कर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नौकरी नीति के अलावा वे सालाना वेतन वृद्धि चाहते हैं और उन निजी कंपनियों को हटाना चाहते हैं जिसके जरिए उन्हें काम पर लगाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-कश्मीर में वोकेशनल ट्रेनर्स के लिए हरियाणा वाली नीति लागू करने की मांग भी की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम किसी और से ज्यादा काम कर रहे हैं। पढ़ाई हो या ऑफिस का काम, हमें सब कुछ करने के लिए कहा जाता है लेकिन जब हमारी बुनियादी मांगों की बात आती है, तो सरकार दूसरा रास्ता देखती है।

धर्मशाला में हुई अनोखी शादी, रूसी दूल्हे और यूक्रेनी दुल्हन ने लिए सात फेरे

धर्मशाला । कई माह से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध हो रहा है। इस दौरान कई लोग बेघर हो गए है। एक जगह जहां दो देशों की दुश्मनी खत्म नहीं हो रही है। वहीं भारत के हिमाचल से बड़ी ही अनोखी खबर आई है। दो देशों के युद्ध के बीच धर्मशाला में एक रूस का युवक और यूक्रेन की युवती ने शादी रचाई है। जी हां, आपने बिल्कुल सही सुना है। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के माहौल के बीच रूसी दूल्हे और यूक्रेनी दुल्हन ने शादी कर ली है। इस शादी को देख लोग काफी खुश है और उनके इस कदम को काफी सराहा जा रहा है। बता दें कि दोनों ने हिंदू रीति रिवाजों के साथ सात फेरे लिए। लड़का मूल रूप से रूस का रहने वाला है लेकिन अब उसने इजरायली राष्ट्रीयता ले ली है। लड़के का नाम सिरगी नोविका है वहीं यूक्रेन की रहने वाली लड़की का नाम एलोना ब्रामोका है। सिरगी पूरे बैंड-बाजा के साथ बारात लेकर आया। लड़की की बहनों और सहेलियों ने रिबन कटिंग कर लड़के का अच्छे से स्वागत किया। पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ स्थानीय पंडित रमन शर्मा ने विवाह मंत्र पढ़ा। फिर सात फेरे लिए। इस दौरान नारायण मंदिर दिव्य आश्रम खड़ौता में नवविवाहित जोड़े ने आशीर्वाद प्राप्त किया। सिरगी और एलोना हिंदू धर्म की परंपराओं और मूल्यों से काफी प्रभावित थे और इसलिए दोनों ने पूरे रीति-रिवाज के साथ शादी रचाई। वहीं पंडित रमन शर्मा ने बताया कि लड़की और लड़के के परिजनों का सनातन परंपरा के प्रति काफी लगाव है जिसे देख काफी अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि दोनों के परिजनों ने कोई भी जल्दबाजी नहीं दिखाई और हर रस्म को पूरा समय लेकर निभाया।

नौसेना में अग्निवीर बनने महिलाएं भी उत्साहित, 82 हजार से अधिक आए आवेदन

नई दिल्ली । देश की नौसेना में शामिल होने के लिए का सपना पुरुषों का ही नहीं बल्कि महिलाओं का भी होता है। नौसेना ने अब अग्निपथ भर्ती योजना में महिला नाविकों की भर्ती की घोषणा की है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, सीनियर सेकेंडरी रिक्रूट (एसएसआर) और मैट्रिक रिक्रूट (एमआर) के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बुधवार को संपन्न हुई। भारतीय नौसेना को 80,000 से अधिक महिला उम्मीदवारों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। भारतीय नौसेना के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर कहा, 'भारतीय नौसेना के एसएसआर (सीनियर सेकेंडरी रिक्रूट) और एमआर (मैट्रिक रिक्रूट) के अग्निपथ योजना के तहत रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 82,000 महिला उम्मीदवारों सहित 9.55 लाख अग्निवीर आवेदकों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।' वैसे तो तीनों सेवाओं (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) में महिला अधिकारी हैं, लेकिन यह पहली बार होगा जब अधिकारी रैंक से नीचे के कार्मिक (पीबीओआर) के पद महिलाओं के लिए खुले होंगे। कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने रविवार को रक्षा मंत्रालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम अभी भी अग्निपथ योजना के माध्यम से भर्ती होने वाली महिला नाविकों की सही संख्या तैयार कर रहे हैं।' अग्निवीर का पहला बैच इस साल नवंबर में शुरू होगा। उन्होंने कहा, 'भारतीय नौसेना के पास वर्तमान में विभिन्न भारतीय नौसेना के जहाजों पर नौकायन करने वाली 30 महिला अधिकारी हैं। हमने तय किया है कि अग्निपथ योजना के तहत हम महिलाओं की भी भर्ती करेंगे। उन्हें युद्धपोतों पर भी तैनात किया जाएगा।' त्रिपाठी ने कहा, 'इस साल 21 नवंबर से पहला नौसैनिक 'अग्निवर' प्रशिक्षण प्रतिष्ठान आईएनएस चिल्का, ओडिशा में पहुंचना शुरू कर देगा। महिला और पुरुष दोनों अग्निवीर पहुंच सकते हैं।' केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा 14 जून को तीनों सेना प्रमुखों की उपस्थिति में घोषित अग्निपथ योजना में साढ़े 17 वर्ष की आयु के युवाओं की सशस्त्र सेवाओं में भर्ती का प्रावधान है। चार वर्षों के बाद उनमें से 25 प्रतिशत को ही स्थाई नौकरी दी जाएगी। हालांकि, केंद्र सरकार ने बाद में 2022 के लिए भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 14 जून को अग्निपथ योजना को मंजूरी दी और इस योजना के तहत चुने गए युवाओं को अग्निवीर कहा जाएगा। सरकार ने घोषणा की थी कि इस साल 46,000 अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी।

'कानून से ऊपर नहीं राहुल और सोनिया गांधी'

भाजपा ने कहा- दोनों भ्रष्टाचार के केस में जमानत पर हैं बाहर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नेशनल हेराल्ड केस को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच वार पलटवार का दौर जारी है। कांग्रेस का लगातार आरोप है कि भाजपा प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से पूछताछ हो चुकी है। इन सबके बीच आज एक बार फिर से भाजपा ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि यह दोनों कानून से ऊपर नहीं हो सकते हैं। गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी भ्रष्टाचार के केस में जमानत पर बाहर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जांच एजेंसियों को डरा-धमका रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का आचरण अमर्यादित है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को ईडियट और पालतू कहा जा रहा है। कांग्रेस ने देश को क्यों लूटा। पहले तो वे चोरी करेंगे फिर अराजकता फैलाएंगे।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को ये बताना आवश्यक है कि जिस प्रकार का आचरण कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा किया जा रहा है, ये उचित नहीं है। पहले आप चोरी करते हैं, देश को लूटते हैं और उसके बाद पूरे देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये तथ्य भी सर्वविदित है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों भ्रष्टाचार के आरोप में जमानत पर बाहर हैं। सार्वजनिक जीवन में आप हैं और आपकी जिम्मेदारी भी बड़ी है। आपको चाहिए कि जो सवाल जनता पूछ रही है और हम यहां से उठा रहे हैं, आप उनका उत्तर दें। उन्होने कहा कि ये अनर्गल बयान सुनने में आ रहे हैं कि ईडी को सोनिया गांधी से, राहुल गांधी से पूछताछ के लिए उनके घर जाना चाहिए। कांग्रेस के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी संविधान से ऊपर हैं। लेकिन कोई आरोपी है तो कानून कहता है कि उससे पूछताछ होगी और पूछताछ करने वाली एजेंसी के ऑफिस में ही होगी।

गौरव भाटिया ने आगे कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गांधी परिवार के करीबी मोतीलाल वोरा के सिर पर पूरा ठीकरा फोड़ा जा रहा है। ये कहा जा रहा है कि हमें कुछ पता ही नहीं है, जो किया वो मोतीलाल वोरा जी ने किया। क्या ये सत्य नहीं कि यंग इंडिया में 38प्र. राहुल गांधी की है और 38 प्र. सोनिया गांधी की हिस्सेदारी है? उन्होंने कहा कि 50प्र. से ज्यादा हिस्सेदारी में आपका कंट्रोलिंग स्टेक है। जब कंट्रोलिंग स्टेक राहुल गांधी और सोनिया गांधी का है, तो ठीकरा एक ऐसे व्यक्ति पर फोड़ा जा रहा है जो आज दुनिया में नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि ये जो घोटाला हुआ, मनी लॉन्ड्रिंग की गई, ये किसने किया? ये फैसला किसने लिया था? भाजपा ने साफ तौर पर कहा कि जिस कंपनी के पास कोई संपत्ति नहीं है उसे दूसरी कंपनी एक करोड़ रुपये क्यों देती है। राहुल गांधी की जेब से एक रुपया भी नहीं गया। लेकिन 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का controlling stake उनका हो गया। ऐसा हमने कभी नहीं देखा, ये कैसे हो गया राहुल गांधी इसका भी जवाब दें।

जस्टिस यूयू ललित होंगे देश के नए मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने की सिफरिश

नई दिल्ली । जस्टिस यूयू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने उनके नाम की सिफारिश अपने उत्तराधिकारी के तौर पर की है। जस्टिस यूयू ललित भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। इसी महीने एनवी रमना रिटायर हो रहे हैं, उसके बाद यूयू ललित सुप्रीम कोर्ट के मुखिया के तौर पर कामकाज संभालेंगे। वरिष्ठता क्रम के अनुसार जस्टिस यूयू ललित ही मुख्य न्यायधीश बनने के दावेदार थे। जस्टिस यूयू ललित देश के सामाजिक व्यवस्था पर बड़ा असर डालने वाले तीन तलाक जैसे अहम फैसले देने वाली बेंच का हिस्सा रहे हैं। जस्टिस ललित देश के ऐसे दूसरे सीजेआई होंगे, जो बार काउंसिल से आकर जज बने और फिर चीफ जस्टिस बनने का मौका मिला। इससे पहले मार्च 1964 में ऐसा हुआ था, तब जस्टिस एस.एम सीकरी को बार काउंसिल से निकलकर जज बनने का मौका मिला था और फिर वह सीजेआई भी बने थे। जस्टिस एस.एम. सीकरी जनवरी, 1971 को देश के मुख्य न्यायाधीश बने थे। जस्टिस एनवी रमना 26 अगस्त को अपने पद से रिटायर होंगे। उसके अगले ही दिन जस्टिस यूयू ललित पदभार संभालेंगे। जस्टिस ललित देश के नामी वकीलों में से एक रहे हैं और उन्हें 13 अगस्त, 2014 को सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर नियुक्ति मिली थी। तब से अब तक वह सुप्रीम कोर्ट के कई अहम फैसलों का हिस्सा रहे हैं। केरल के पद्मनाभ स्वामी मंदिर के रखरखाव से जुड़े मामले में भी उन्होंने फैसला सुनाया था। यही नहीं पॉक्सो ऐक्ट को लेकर भी अहम फैसला सुनाने वाली बेंच के भी जस्टिस यूयू ललित सदस्य थे। इस फैसले में कहा गया था कि यदि कोई गलत मंशा से बच्चे के प्राइवेट पार्ट्स को छूता है तो फिर उसे भी पॉक्सो ऐक्ट के सेक्शन 7 के तहत यौन उत्पीड़न माना जाएगा। इस फैसले के तहत सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने कहा था कि यदि स्किन टू स्किन कॉन्टेक्ट नहीं होता है तो फिर उसे यौन उत्पीड़न नहीं माना जाएगा।

बीते 3 साल में 42 फीसदी भारतीयों ने झेली वित्तीय धोखाधड़ी

-74 फीसदी लोगों को पैसा नहीं मिला वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में डिजिटलीकरण के साथ वित्तीय धोखाधड़ी में भी इजाफा हुआ है। डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ रहा है और अधिकांश भारतीय भीम, जीपे, फोनपे और अन्य ऐप इस्तेमाल कर रहे हैं। निजी फर्म लोकल सर्किल द्वारा किए गए एक सर्वे से पता चला है कि पिछले 3 वर्षों में 42 फीसदी भारतीयों ने वित्तीय धोखाधड़ी यानि फाइनेंशियल फ्रॉड का अनुभव किया। इसमें सबसे महत्वपूर्ण ये है कि जिनके साथ फ्रॉड हुआ, उनमें से 74 फीसदी लोग पैसे वापस पाने में विफल रहे।

अक्टूबर 2021 में किए गए लोकल सर्किल सर्वे से पता चला कि 29 फ़ीसदी नागरिक अपने एटीएम या डेबिट कार्ड पिन डिटेल करीबी लोगों या परिवार के सदस्यों के साथ साझा करते हैं। वहीं, 4 फीसदी लोग इसे अपने घरेलू और ऑफिस कर्मचारियों के साथ साझा करते हैं। सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि 33 फीसदी नागरिक अपने बैंक खाते, डेबिट या क्रेडिट कार्ड और एटीएम पासवर्ड, आधार और पैन नंबर ईमेल या कंप्यूटर पर संग्रहीत करते हैं। वहीं, 11 फीसदी नागरिकों ने इन डिटेल को अपने मोबाइल फोन कॉन्टैक्स लिस्ट में सेव करके रखा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 में 69 फीसदी भारतीय उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन धोखाधड़ी झेली। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के डेटा के मुताबिक साल 2021-22 में 60,414 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी देखी गई। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप पिछले 7 वर्षों में भारत को हर दिन कम से कम 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

लोगों के साथ किस तरह की वित्तीय धोखाधड़ी की गई इस 29 फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा उनके साथ 'बैंक खाता धोखाधड़ी' हुई। 24 फीसदी ने कहा 'ईकामर्स साइट्स द्वारा धोखाधड़ी' का शिकार हुए। 21 फीसदी ने 'अन्य धोखाधड़ी' बताया। 18 फीसदी ने 'क्रेडिट/डेबिट कार्ड धोखाधड़ी' कहा, 12 फीसदी ने 'मोबाइल ऐप्स द्वारा धोखाधड़ी' कहा, 8 फीसदी ने 'एटीएम कार्ड धोखाधड़ी' कहा, और 6 फीसदी ने कहा उनके साथ 'बीमा धोखाधड़ी' हुई। रिजर्व बैंक के मुताबिक, किसी भी तरह के फ्रॉड की स्थिति में तुरन्त बैंक को सूचित करें। अगर आप साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं और आपके खाते से पैसा चला जाता है तो आपको तीन दिन के भीतर इसकी शिकायत करनी होती है। इसके साथ ही आप आधिकारिक वेबसाइट पर या स्थानीय पुलिस थाने में भी इसकी शिकायत कर सकते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको किसी भी तरह का नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा और आपको 10 दिन के भीतर ही रिफंड मिल सकता है। अगर आप ऐसे ऑनलाइन फाइनेंशियल फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं तो चुप रहने की जरूरत नहीं है। आपको संबंधित जानकारी के साथ ही बैंक को लिखित में इसकी जानकारी देनी चाहिए और शिकायत दर्ज करानी चाहिए। साइबर फ्रॉड से हुए वित्तीय नुकसान से आपको बचाने के लिए एक नेशनल हेल्पलाइन 155260 को भी लॉन्च किया गया है।

15 अगस्त पर आतंकी हमले की आशंका, आईबी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश आजादी के अमृत महोत्सव यानि 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा है। इसी बीच इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) और दिल्ली पुलिस ने खतरे को लेकर आगाह किया है और सतर्क रहने के लिए कहा है। खबर है कि ब्यूरो की तरफ से 10 पन्नों की एक रिपोर्ट जारी की गई है, जिसमें आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा से लेकर उदयपुर और अमरावती कांड का भी जिक्र किया गया है।

खबर है कि आईबी ने अपनी रिपोर्ट में कट्टरपंथी समूहों से खतरे की बात कही है। साथ ही 15 अगस्त के लिए दिल्ली पुलिस से लाल किले में एंट्री के लिए सख्त नियम लागू करने के लिए कहा है। आईबी ने रिपोर्ट में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या की बात भी शामिल की है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने भी स्वतंत्रता दिवस पर ट्रैफिक को लेकर एडवाइजरी जारी की थी।

उदयपुर और अमरावती की घटनाओं को देखते हुए एजेंसियों ने पुलिस को कट्टरपंथी समूहों और भीड़ वाले इलाकों में उनकी गतिविधियों को लेकर सतर्क रहने के लिए कहा है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की आईएसआई जैश और लश्कर के आतंकियों को मदद मुहैया कराने के जरिए आतंकी घटनाओं को भड़का रही है। खबर है कि आतंकियों को बड़े नेताओं और अहम जगहों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम मोदी और आरएसएस पर साधा निशाना,

1947 के ऑर्गेनाइजर पत्रिका की मांग का किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

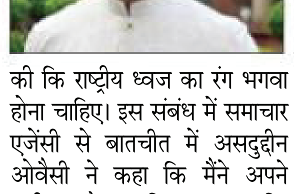

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को हर घर तिरंगा अभियान के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनाइजर पत्रिका आरएसएस का मुखपत्र है। जिसके जरिए मांग की गई थी कि राष्ट्रीय ध्वज का रंग भगवा होना चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आरएसएस उनकी नींव और उन्हें इससे राष्ट्र के लिए जीने की प्रेरणा मिली। वह हमसे तिरंगा डीपी लगाने और रैलियां निकालने के लिए कह रहे हैं। लेकिन आरएसएस ने आजाद भारत को नकार दिया था। आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइज़र ने अपने विचारों को दर्शाते हुए मांग की कि राष्ट्रीय ध्वज का रंग भगवा होना चाहिए। इस संबंध में समाचार एजेंसी से बातचीत में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैंने अपने ट्वीट के जरिए कहा कि ऑर्गेनाइजर पत्रिका आरएसएस का मुखपत्र है। 17 जुलाई, 1947 को उन्होंने कहा था कि देश के राष्ट्रीय ध्वज का रंग भगवा होना चाहिए। देश के प्रधानमंत्री कहते हैं कि आरएसएस उनकी नींव है, उन्हें इससे प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि आरएसएस पत्रिका ने ये भी कहा है कि झंडे में तीन रंग बुरे हैं। प्रधानमंत्री और भाजपा को बताना चाहिए कि उन्होंने जो कहा है वह सही है या गलत, ये उन्हें स्पष्ट करना चाहिए।

पूर्व कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई पत्नी सहित भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हरियाणा से चार बार विधायक और दो बार सांसद रहे पूर्व कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। बिश्नोई की पत्नी और पूर्व विधायक रेणुका बिश्नोई भी भाजपा में शामिल हुई। दिल्ली स्थिति भाजपा मुख्यालय में उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पार्टी महासचिव अरुण सिंह, राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी और प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर सीएम खट्टर ने बिश्नोई दंपती का भाजपा में स्वागत कर कहा कि कुलदीप बिश्नोई से वह लगातार संपर्क बनाए हुए थे और उन्होंने राज्यसभा चुनाव में भाजपा का सहयोग किया। उन्होंने दावा किया कि बिश्नोई बिना किसी शर्त के भाजपा में शामिल हुए हैं। गौरतलब है कि बिश्नोई कांग्रेस पार्टी से पहले से ही नाराज चल रहे थे। इस साल की शुरुआत में उन्हें कांग्रेस की हरियाणा इकाई के प्रमुख के पद पर नियुक्त न किए जाने के बाद उन्होंने बगावती तेवर अपना लिए थे। इसके बाद जून में राज्यसभा चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' करने के कारण कांग्रेस ने बिश्नोई को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया था। हरियाणा के हिसार जिले की आदमपुर सीट से विधायक बिश्नोई (53) ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भजनलाल के छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई दूसरी बार कांग्रेस से नाता तोड़ रहे हैं। पार्टी से अलग होने के बाद करीब छह साल पहले ही वह दोबारा कांग्रेस से जुड़े थे।

वर्ष 2005 में राज्य में कांग्रेस की जीत के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर बिश्नोई और उनके पिता भजनलाल ने 2007 में हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजकां) बनाई थी। हजकां ने बाद में भाजपा और दो अन्य दलों के साथ गठबंधन कर लिया था और 2014 का लोकसभा चुनाव हरियाणा में साथ लड़ा था। हालांकि, विधानसभा चुनाव से पहले यह गठबंधन टूट गया था।

मुफ्त वादे-सौगातें सभी दल करते पर सुनता कोई नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनावों में मतदाताओं को रिझाने और लुभाने के लिए सियासी पार्टियां के मुफ्त वादों-सौगातों की झड़ी लगा देती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों के इस रवैये पर जमकर खरी-खरी सुना दी है। देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कोई भी दल इस पर रोक लगाना नहीं चाहती है क्योंकि सभी ऐसा करना चाहती है। अदालत ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर लपेटा। पीठ ने कहा कि पिछले कई सालों से कोई भी इस पर इच्छाशक्ति नहीं दिखा रहा है। शीर्ष अदालत ने 2013 में अपने फैसले में कहा था कि मुफ्त वाले वादों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों पर असर पड़ता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। सरकार यह कहकर नहीं बच सकती है कि वह कुछ नहीं कर सकती है।

चीफ जस्टिस रमना, जस्टिस कृष्णा मुरारी, जस्टिस हेमा कोहली की पीठ ने कहा कि हम केवल इसे चुनावों के संदर्भ में नहीं देख रहे हैं बल्कि इसका देश की आर्थिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव को भी देख रहे हैं। इस सलाह पर कि संसद इस मुद्दे पर चर्चा कर ले, कोर्ट ने कहा, 'क्या आपको लगता है संसद इस पर चर्चा भी करेगी? कौन राजनीतिक दल मुफ्त वाले वादों पर चर्चा करना चाहती है? कोई भी दल इस पर ऐसा नहीं करना चाहती है। सभी दल चाहते हैं कि मुफ्त के उपहार वाले वादों पर रोक लगे।'

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुझाव देने को कहा था। सिब्बल इस मामले में किसी भी पक्षकार के वकील नहीं हैं। सिब्बल ने जब कहा कि मामले में संसद में चर्चा होनी चाहिए। तब चीफ जस्टिस ने कहा, 'क्या आप समझते हैं कि संसद में इस पर बहस होगी? कौन इस मामले में चर्चा करेगा? कोई राजनीतिक पार्टी मुफ्त उपहार मामले का विरोध नहीं करेगा, क्योंकि सभी पार्टी मुफ्त उपहार बांटना चाहती हैं।' मामले में वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी कि मुफ्त उपहार में पैसा पब्लिक का इस्तेमाल हो रहा है। पैसा कहां से आएगा, इस बारे में जवाबदेही तय होना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि लोकलुभावन मुफ्त उपहार बांटने का वादा या बांटा जाना वोटरों को प्रभावित करता है। अगर इसे रेग्युलेट नहीं किया गया तो इससे देश की आर्थिक स्थिति बदतर हो सकती है। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि चुनाव आयोग ने तो हाथ खड़े कर दिए हैं। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इस मामले में दोबारा चुनाव आयोग को विचार के लिए कहा जा सकता है। तब चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गाइडलाइंस बनाने को कहा था। चीफ जस्टिस एन।वी। रमण की अगुआई वाली बेंच ने संकेत दिया कि वह मन बना रही है कि इस मामले में एक्सपर्ट बॉडी बने। इसमें नीति आयोग, वित्त आयोग, लॉ कमीशन, आरबीआई, सत्ताधारी पार्टी के सदस्य और विरोधी दल के सदस्य शामिल हों। यह कमिटी मुफ्त उपहार के मामले में सुझाव पेश करे। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने अर्जी दाखिल कर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को प्रतिवादी बनाया है। अर्जी में कहा गया है कि पब्लिक फंड से चुनाव से पहले वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार देने का वादा करने या मुफ्त उपहार बांटना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफ है। यह वोटरों को प्रभावित करने और लुभाने का प्रयास है। इससे चुनाव प्रक्रिया खराब होती है। याचिकाकर्ता ने कहा कि इससे चुनाव मैदान में एक समान अवसर के सिद्धांत प्रभावित होते हैं। याची ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों की ओर से मुफ्त उपहार देने और वादा करना एक तरह की रिश्वत है। चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाना चाहिए कि वह सुनिश्चित करे कि राजनीतिक पार्टियां इस तरह के वादे न करे। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने यह भी कहा कि मिड डे मील, गरीबों को राशन और फ्री बिजली जैसी सुविधाएं वेलफेयर का काम है। इस तरह इस मामले में एकतरफा रोक भी नहीं हो सकता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम बिना तमाम हित धारकों के सुझाव के आदेश नहीं करेंगे।